राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 230
चुंबा सम्राट
सुपर कमांडो ध्रुव

चुंबा को एक रहस्यमय शैतान ने एक खतरनाक हथियार के विषय में बताया और चुंबा ने उस हथियार की जानकारी पाने के लिए रडारा नाम के शख्स को श्यामली और उसके नाना के पास भेज दिया। मुठभेड़ में नाना घायल हो गए पर श्यामली जानकारी वाला कागज लेकर निकल भागी। ध्रुव से श्यामली की मुलाकात हुई और ध्रुव ने रडारा को पकड़ लिया। लेकिन रडारा ने जानकारी पहले ही चुंबा के पास फैक्स द्वारा भेज दी थी। चुंबा वह हथियार बनाने लगा। हथियार की जानकारी रखने वाले नाना जी को मारने के लिए उसने अस्पताल में अपने आदमी तरंगी को भेजा। लेकिन तरंगी भी ध्रुव से मात खा गया। टी.वी. साक्षात्कार के जरिए ध्रुव ने चुंबा को चुनौती दी और चुंबा तरंगी को छुड़ाने पुलिस लॉकअप में आ पहुंचा। ध्रुव को तरंगी ने मार डाला, चुंबा एस.पी. खान के हाथों पेट्रोल टैंक के धमाके से मारा गया। तब पता चला कि वह चुंबा का रोबोट था। असली चुंबा तो तरंगी को लेकर हैलीकॉप्टर द्वारा निकल भागा था। यहां तक की कहानी आप आया चुंबा में पढ़ चुके हैं अब पढ़ें इस कथा का शेष भाग...

चुंबा सम्राट

कथाः	चित्रः	इंकिंगः	सुलेख एवं रंग संयोजनः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोदकुमार, विट्ठल कांबले	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

अब, जब रास्ते का सबसे बड़ा कांटा निकल चुका है तो मुझे उस नाना को खत्म करने जाने की इजाजत दीजिए! आपका आदेश पूरा किए बगैर मुझे चैन नहीं पड़ेगा!
...लेकिन अभी हमको जल्दी से जल्दी अपने अड्डे पर पहुंचना है। क्योंकि एक तो पुलिस के हैलीकॉप्टर अब हमारी तलाश में निकलते ही होंगे!...
नाना को तो हम जब चाहेंगे, चींटी की तरह मसल देंगे...
...और दूसरे मुझे ध्रुव की मौत की खबर सुननी है! चुंबा ने ध्रुव को मार डाला! ये हेडलाइन सुनने को मेरे कान तरस रहे हैं!
मेरे भी बॉस!
लगभग एक घंटे बाद-
आ तरंगी! तूने ध्रुव को मारकर मुझे खुश कर दिया है! इसीलिए मैं तुझको बताता हूं कि तेरा बॉस अब कैसे दुनिया का बॉस बनने जा रहा है!
देख, इस लैब को! इसको तूने पहले कभी नहीं देखा है!
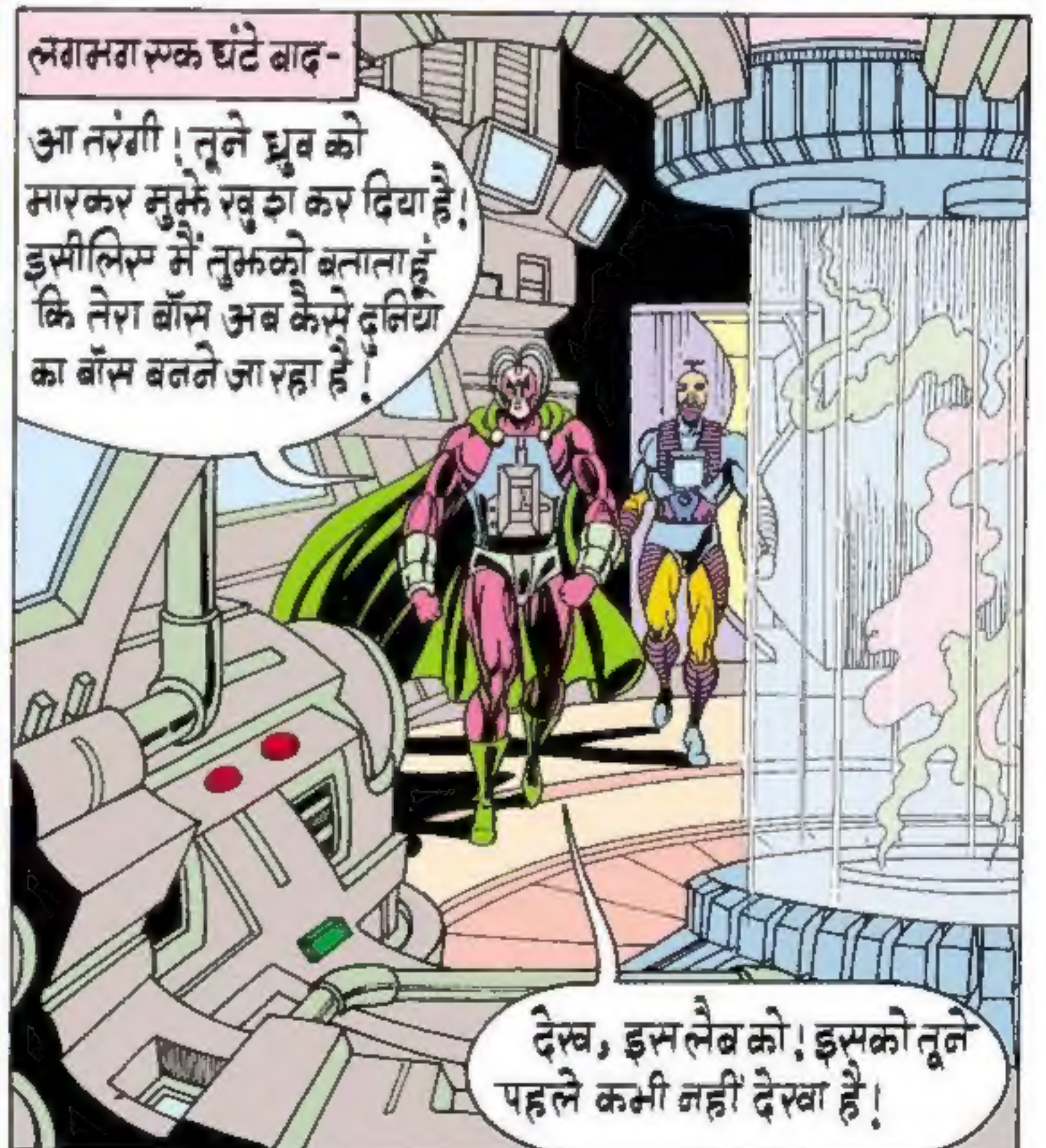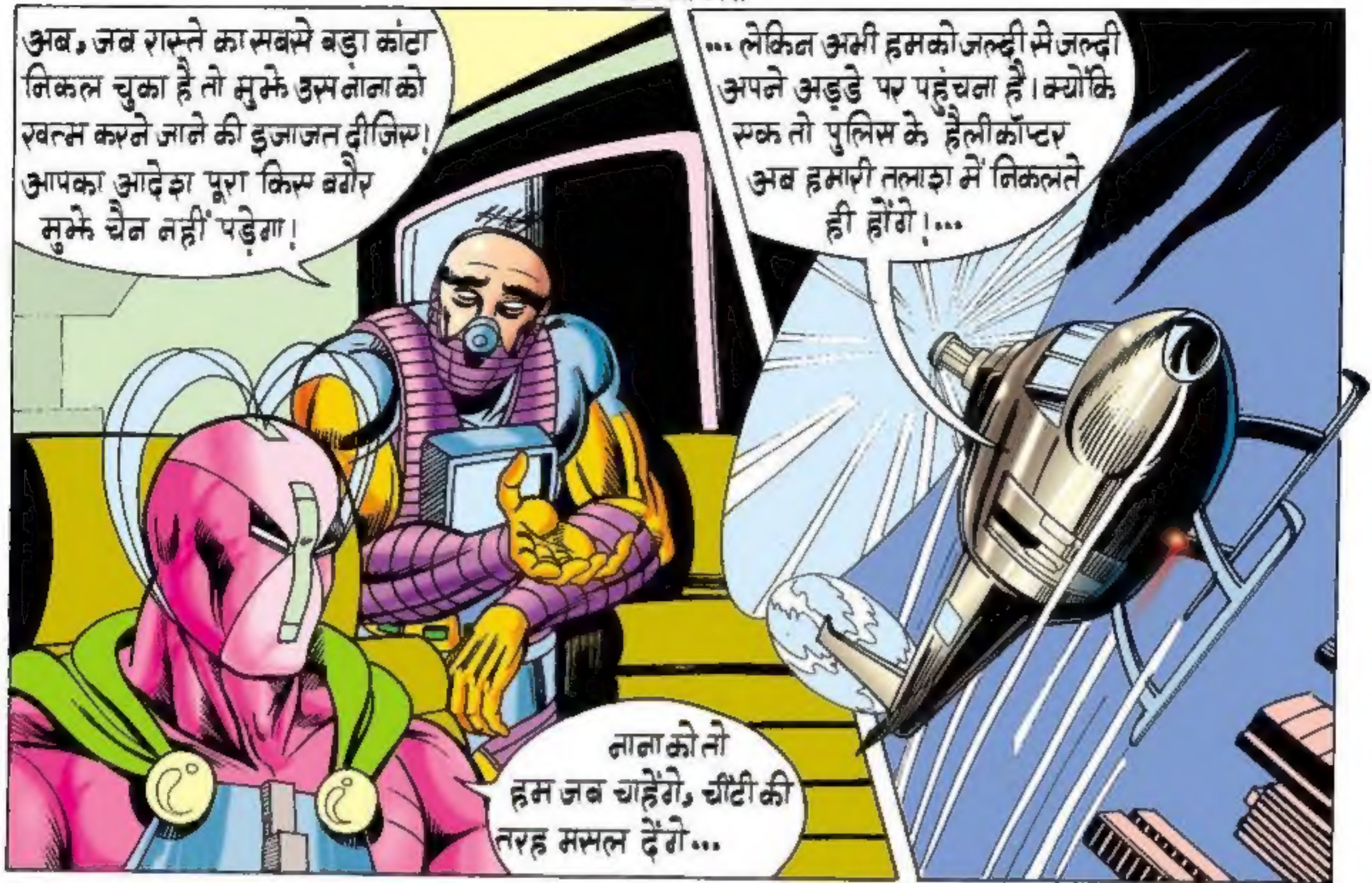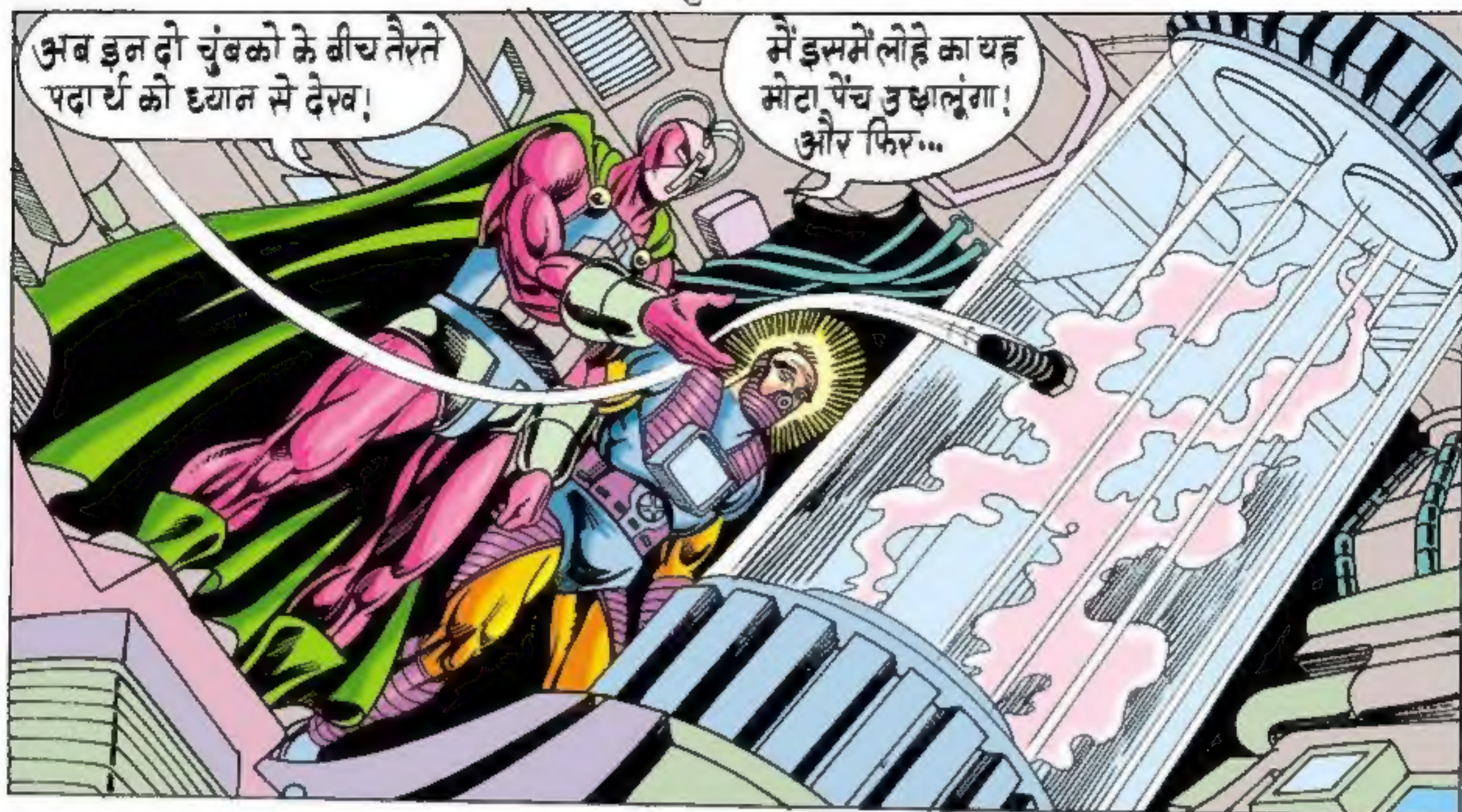
अब इन दो चुंबकों के बीच तैरते पदार्थ को ध्यान से देख!

मैं इसमें लोहे का यह मोटा पेंच उछालूंगा! और फिर...
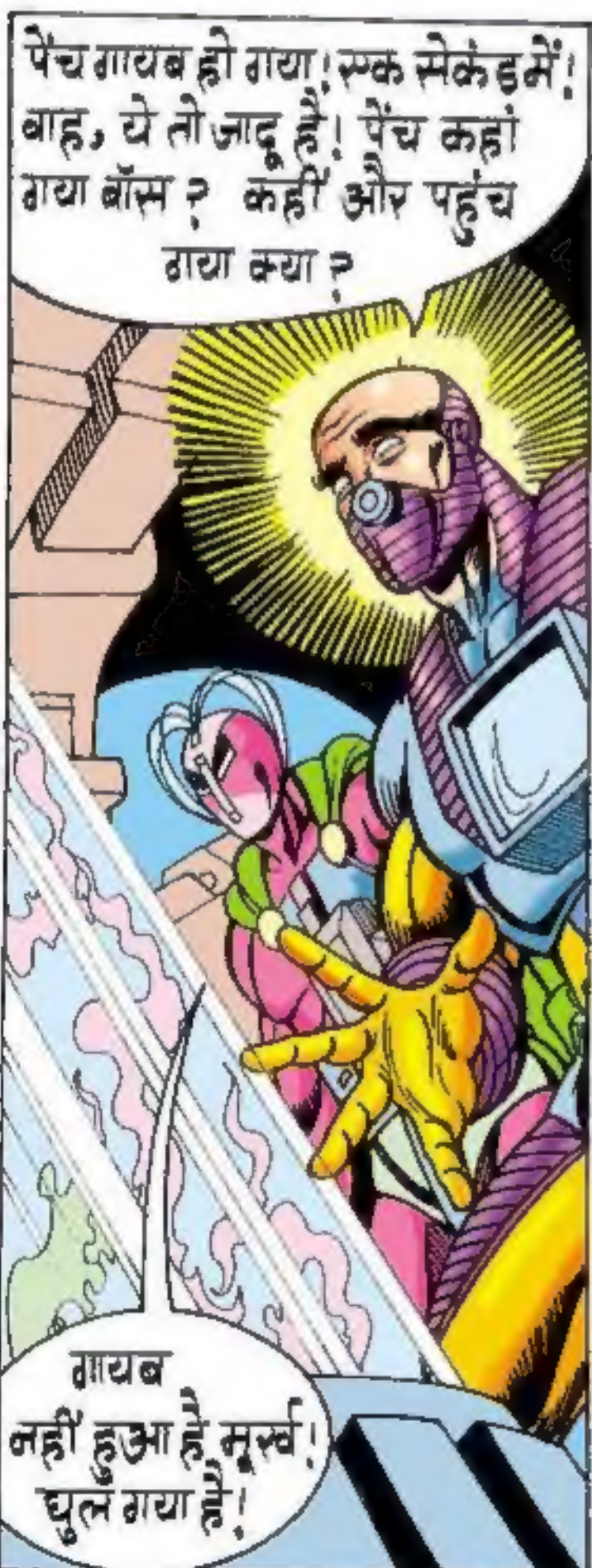
पेंच गायब हो गया! एक सेकेंड में! वाह, ये तो जादू है! पेंच कहां गया बॉस? कहीं और पहुंच गया क्या?

गायब नहीं हुआ है मूर्ख! घुल गया है!
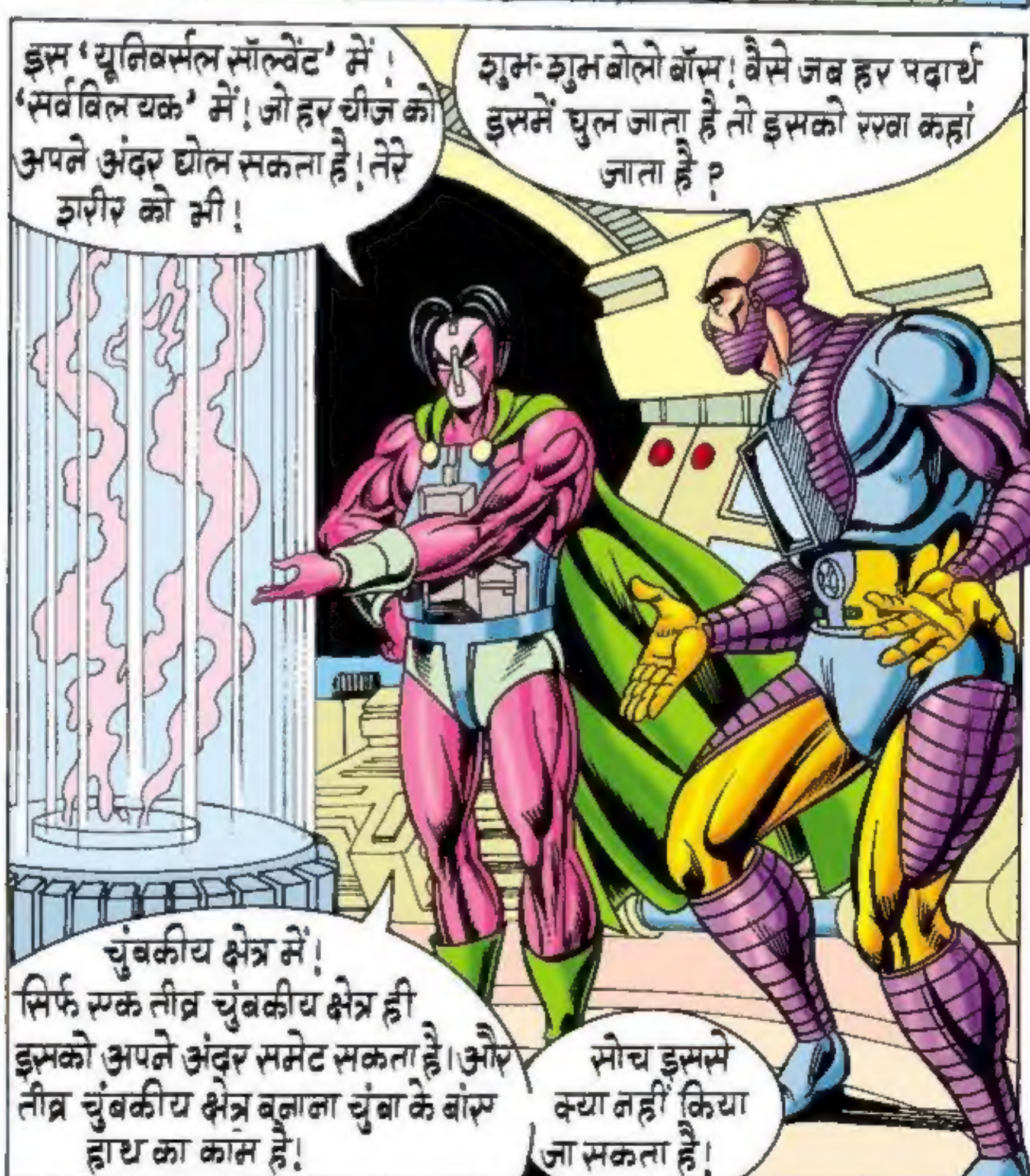
इस 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' में! 'सर्वविलयक' में! जो हर चीज को अपने अंदर घोल सकता है! तेरे शरीर को भी!

शुभ-शुभ बोलो बॉस! वैसे जब हर पदार्थ इसमें घुल जाता है तो इसको रखा कहां जाता है?

चुंबकीय क्षेत्र में! सिर्फ एक तीव्र चुंबकीय क्षेत्र ही इसको अपने अंदर समेट सकता है। और तीव्र चुंबकीय क्षेत्र बनाना चुंबा के बांए हाथ का काम है!

सोच इससे क्या नहीं किया जा सकता है!

एक पूरी सेना को, एक शहर को, यहां तक कि अपने ऊपर गिरती मिसाइलों को भी इसमें घोलकर नष्ट किया जा सकता है!
यानी हम सभी पर हमला कर सकते हैं, पर हम पर कोई हमला नहीं कर सकता!
अब इसकी ताकत से हम अपने छोटे से पड़ोसी देश पर कब्जा करेंगे, और उसकी न्यूक्लियर ताकत से सारी दुनिया को धमकाएंगे!
सही समझे!

सारी दुनिया मानेगी चुंबा को अपना सम्राट! मजा आ जाएगा!
अब बॉस, न्यूज तो सुन लो! असली मजा तो उसी में है!
अरे, हां, हां! इस चक्कर में न्यूज को तो मैं भूल ही गया था!

और फिर-
आज लगभग एक घंटा पहले नानावटी चौकी पर एक दुस्साहिक रोबॉट के हमले में एक एस. पी. समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए! एक अपराधी को छुड़ाने आए रोबॉट को नष्ट कर दिया गया...
...किसी के मारे जाने की कोई खबर नहीं है! अब समाचार महाकुंभ से...

ये... ये क्या चक्कर है? खबरें सेंसर की जा रही हैं! न ध्रुव के मरने की खबर है, और न ही तेरे भाग निकलने की, नरंगी!
क्योंकि न तो कोई भागा है, चुंबा...

...और न ही कोई मरा है!

ध्रुव! तू... तो तू था तरंगी के वेष में! तो फिर वह कौन था जिसको तूने मार डाला था?

मारने का नाटक किया था चुंबा! वह पीटर था! कमांडो फोर्स का कैडेट!

ओह! बड़ा खतरा मोल लिया था उसने! अगर तेरे बजाय मैं खुद उसको मारने की ठान लेता तो?

तो मैं तरंगी के वेष में भी उसको बचा लेता! तरंगी का वेष तो मैंने तुमको असावधान करके पकड़ने के लिए रखा था! लेकिन ऐन वक्त पर तुम्हारे पास से आती ग्रीस और ' लुब्रिकेटिंग ऑयल ' की बदबू ने मुझे यह बता दिया कि वह तुम नहीं तुम्हारा रोबॉट था!
और मुझे प्लान बदलना पड़ा! फिर मैंने भी रोबॉट के साथ भागने का इरादा कर लिया...
... ताकि मैं तुम तक पहुंचकर तुम्हारा प्लान जान सकूं! और फिर उस प्लान को नेस्तनाबूद करके तुमको पकड़ सकूं!
ओह! तुम मुझे धोखा देने में तो कामयाब हो गए ध्रुव! लेकिन अपनी मौत को धोखा नहीं दे पाओगे!
इस वक्त तुम चुंबा के अड्डे में हो...
तड़ाक
...और चुंबा के अड्डे में मौत देने के कई तरीके मौजूद हैं!
ओह! इलेक्ट्रॉनिक हाथ!

हां! इलेक्ट्रॉनिक हाथ! वह भी एक नहीं दो हैं! एक से बचोगे तो दूसरा तुम्हारी हड्डियां तोड़ेगा! और ये दोनों हाथ रडार तरंगों की मदद से तुमको देख सकते हैं! इसलिए इनसे तुम बच नहीं सकते!
धाड़
सांऽऽय
आऽऽऽह!
एक से बचता हूं तो दूसरा मारता है!... छिपने की कोई जगह नहीं है!
और मेरे पास ऐसी कोई चीज नहीं है, जो इनको तोड़ सके!
ओह!
एक तरीका तो है मेरे पास! ये दोनों हाथ रडार तरंगों की मदद से मुझे देख रहे हैं। जहां भी जाऊंगा, ये मेरा पीछा नहीं छोड़ेंगे। अब जैसे ही ये हाथ मुझ पर हमला करने के लिए बढ़ेगा...
...मैं लपककर इस दूसरे हाथ पर चढ़ जाऊंगा!
अब ये हाथ मुझे मार नहीं सकता!

लेकिन दूसरा हाथ, रडार पर अभी भी मुझे देख रहा है! वह नहीं रुकेगा!...
...और तेज गति से बढ़ते हुए जब इन दोनों हाथों की टक्कर होगी...
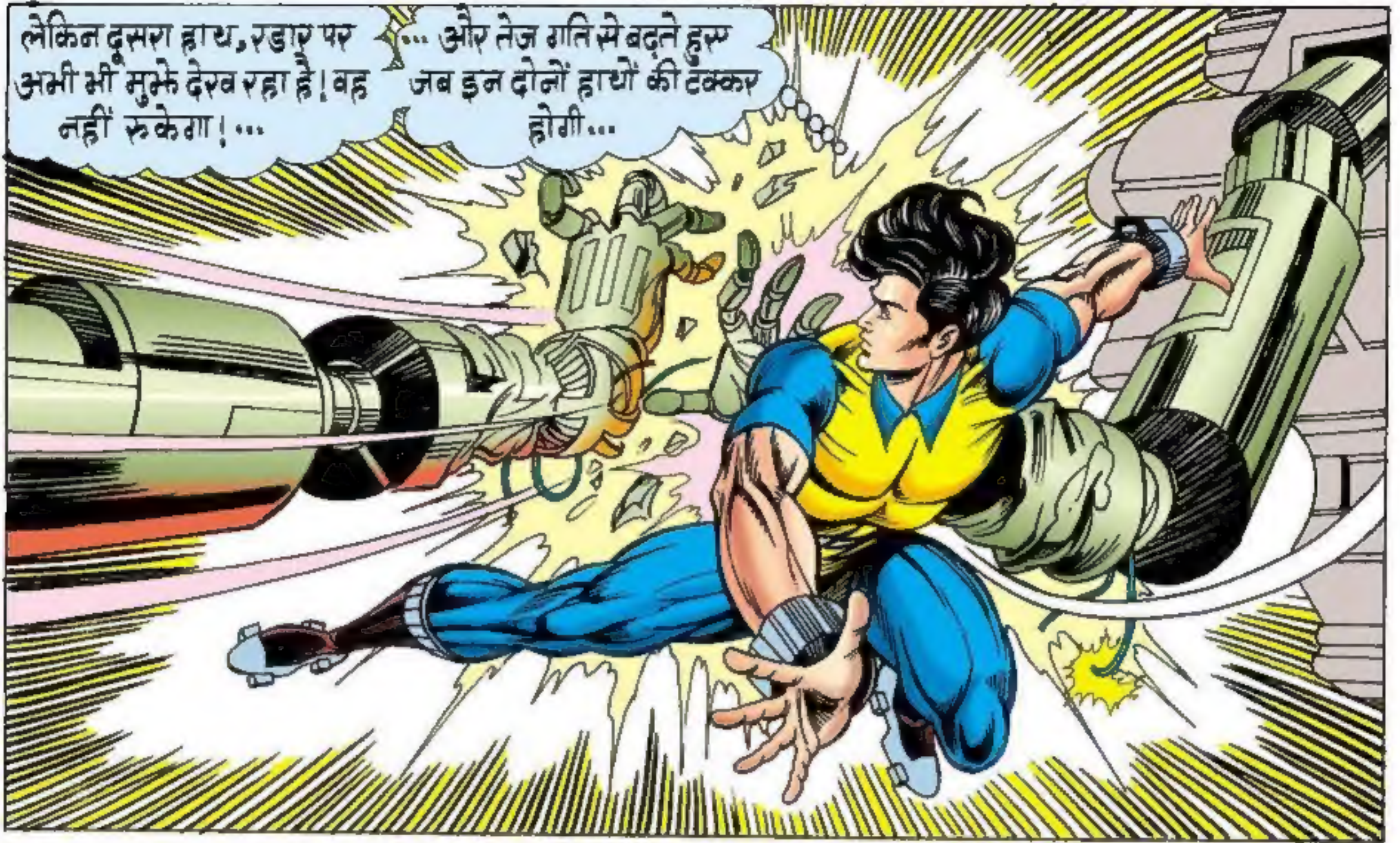
ओफ़! बाल-बाल बचा! लेकिन कुछ ही पलों के लिए! ...
धमम्म

... क्योंकि आयरन बॉल मुझे कुचलने के लिए फिर से पलटकर आ रही है!
इसकी गति तो बहुत तेज है!

आSSSह!

ओSSSह!
आखिर ये चक्कर क्या है? इलेक्ट्रॉनिक हाथों की तरह बॉल भी मेरी हर स्थिति का पता लगा रही है। लेकिन न तो मुझे हाथों में कोई 'रडार सिस्टम' नजर आया, और न ही बॉल में नजर आ रहा है। मतलब साफ है! रडार कहीं और लगा हुआ है!
धमममममममममम

मिल गया! ये रहा रडार!
अब मैं इसको एक ही किक में तोड़ू...
...आऊsss
हा हा हा! मुझे मालूम था कि तू रडार का पता लगा लेगा! लेकिन उसका बुलेटप्रूफ शीशा नहीं तोड़ पाएगा! अब फिर से अपनी मौत से बचने की सोच!
अगर मैं शीशा नहीं तोड़ सकता...
...तो तेरी 'आयरन बॉल' इसको तोड़ेगी, और खुद अपनी आंख फोड़ेगी चुंबा!
अब बता! और कौन-कौन सी मौत है तेरे अड्डे में?

बहुत सारी मौतें हैं। लेकिन इस कमरे में नहीं, दूसरे कमरे में।
अब तुझे वहां मारूंगा।
बस! अब और नहीं चुंबा!

बहुत हो गया धमकियां देने का खेल!
अब तेरा जेल जाने का समय आ गया है!

अब तू यहां तब तक दबा रहेगा, जब तक पुलिस आकर तुझको ले नहीं जाती!
श्याम खंड! श्याम खंड बचाएगा मुझको!

शैतान देव! बचा मुझे इस दूसरे शैतान से!
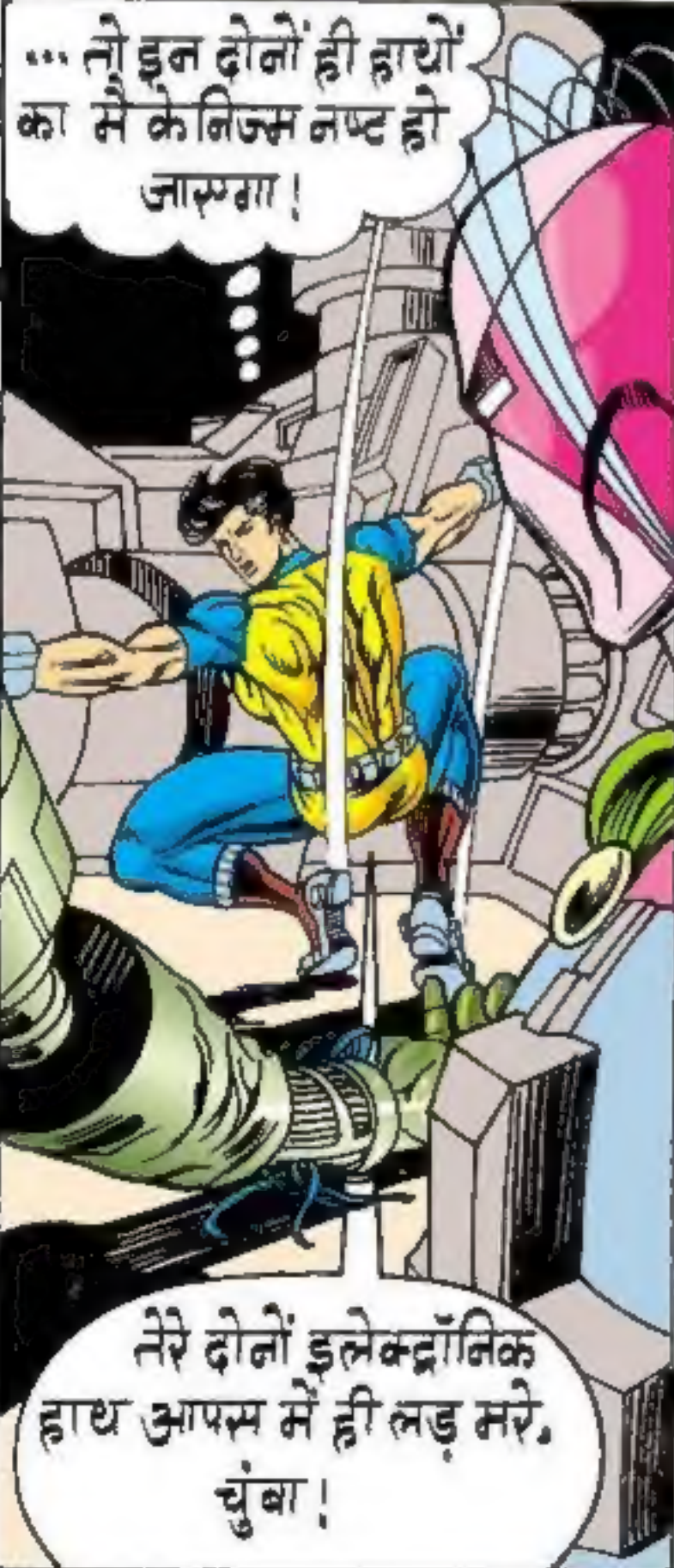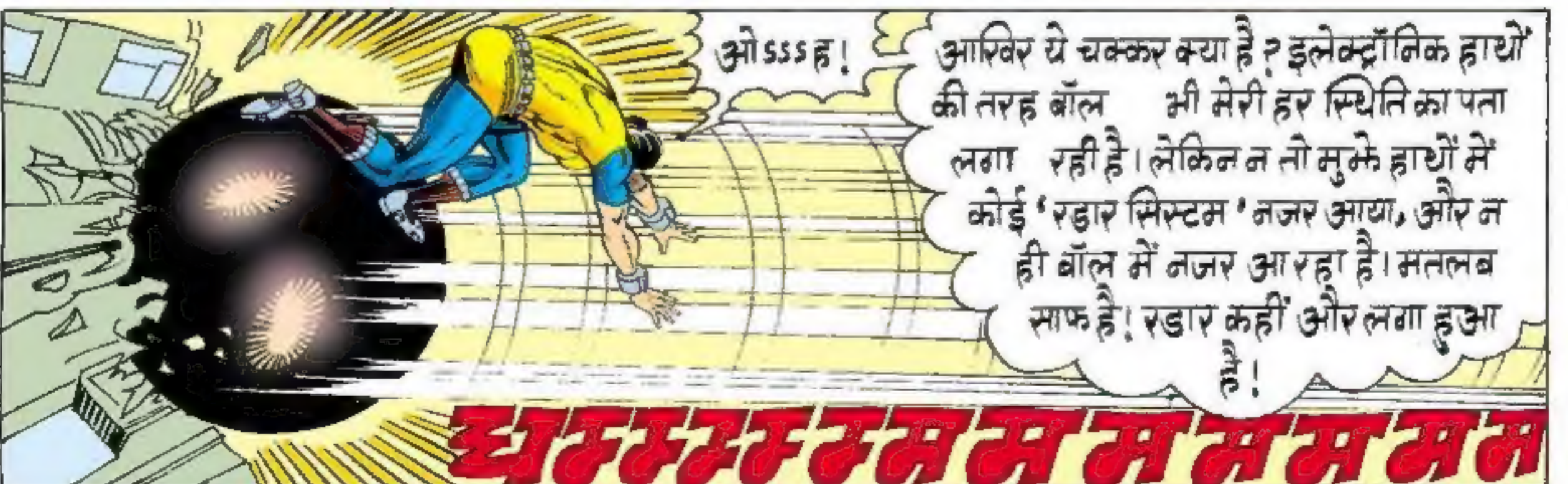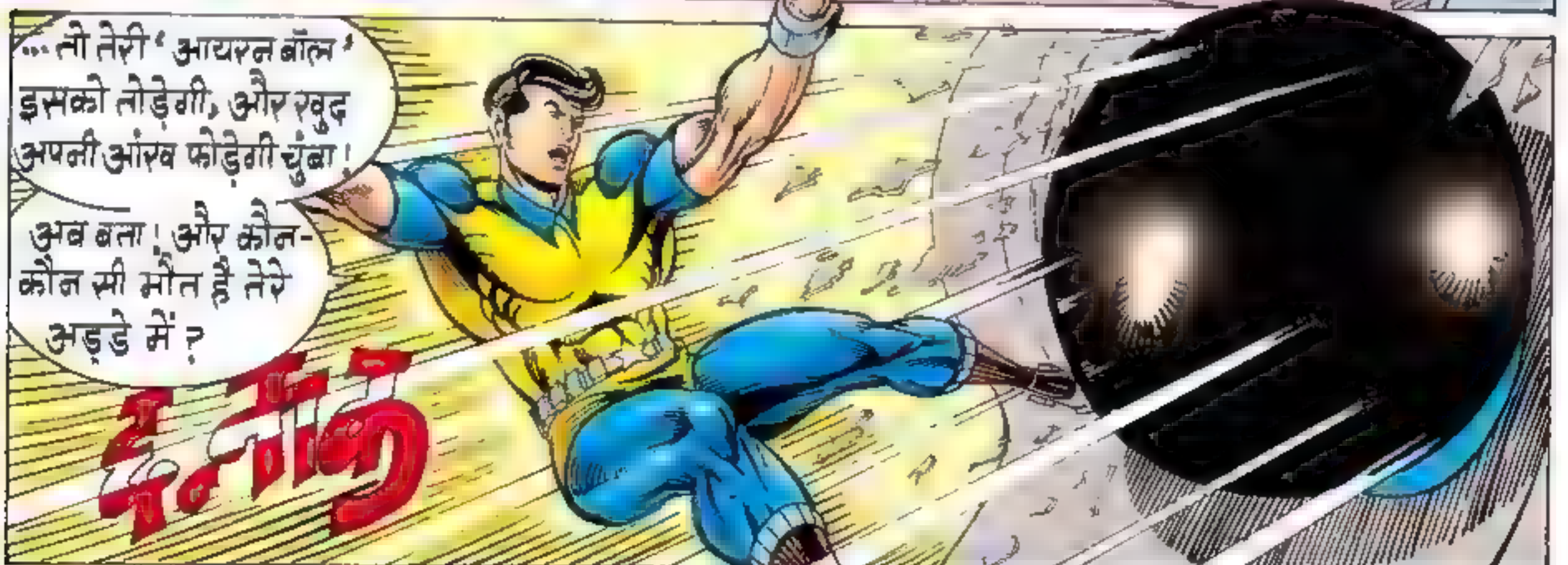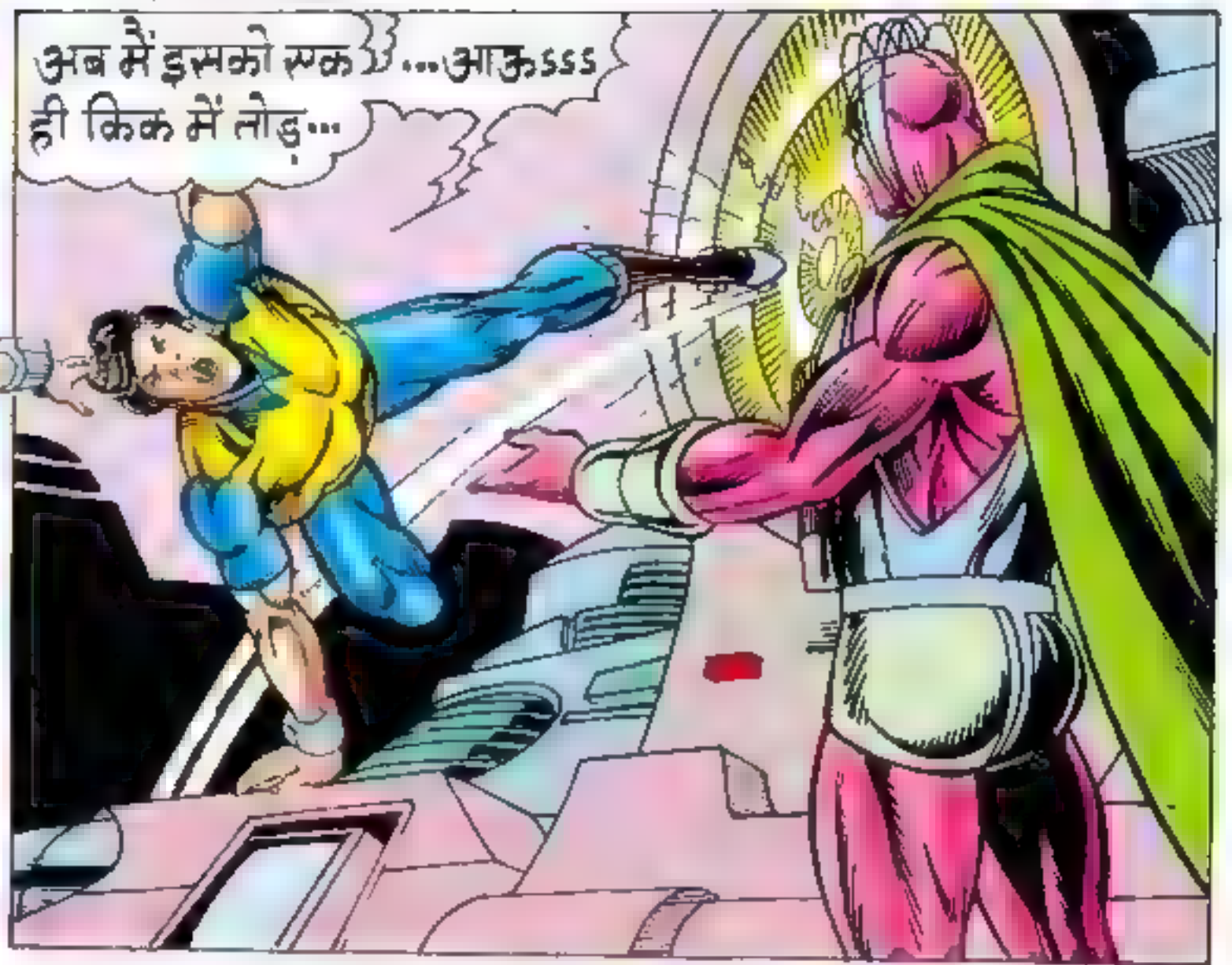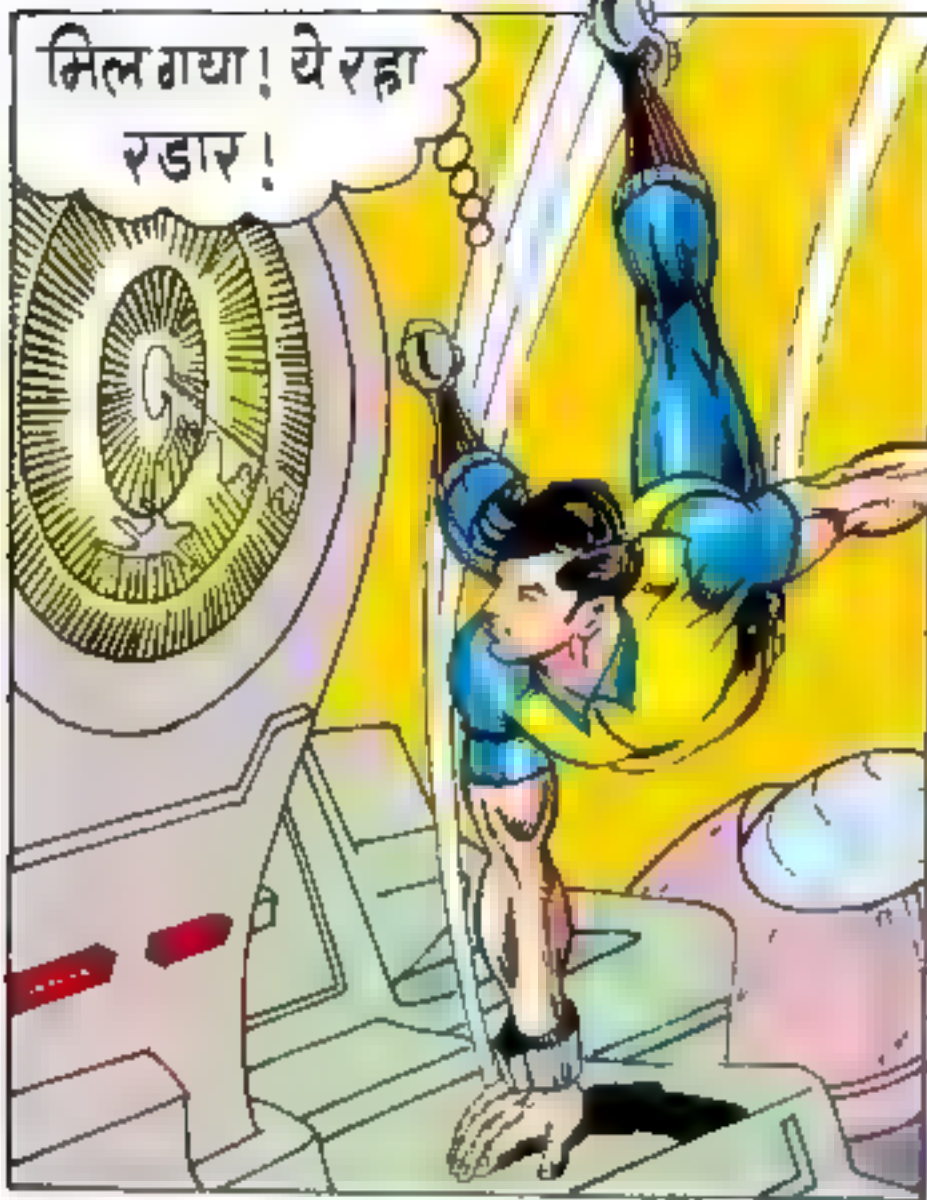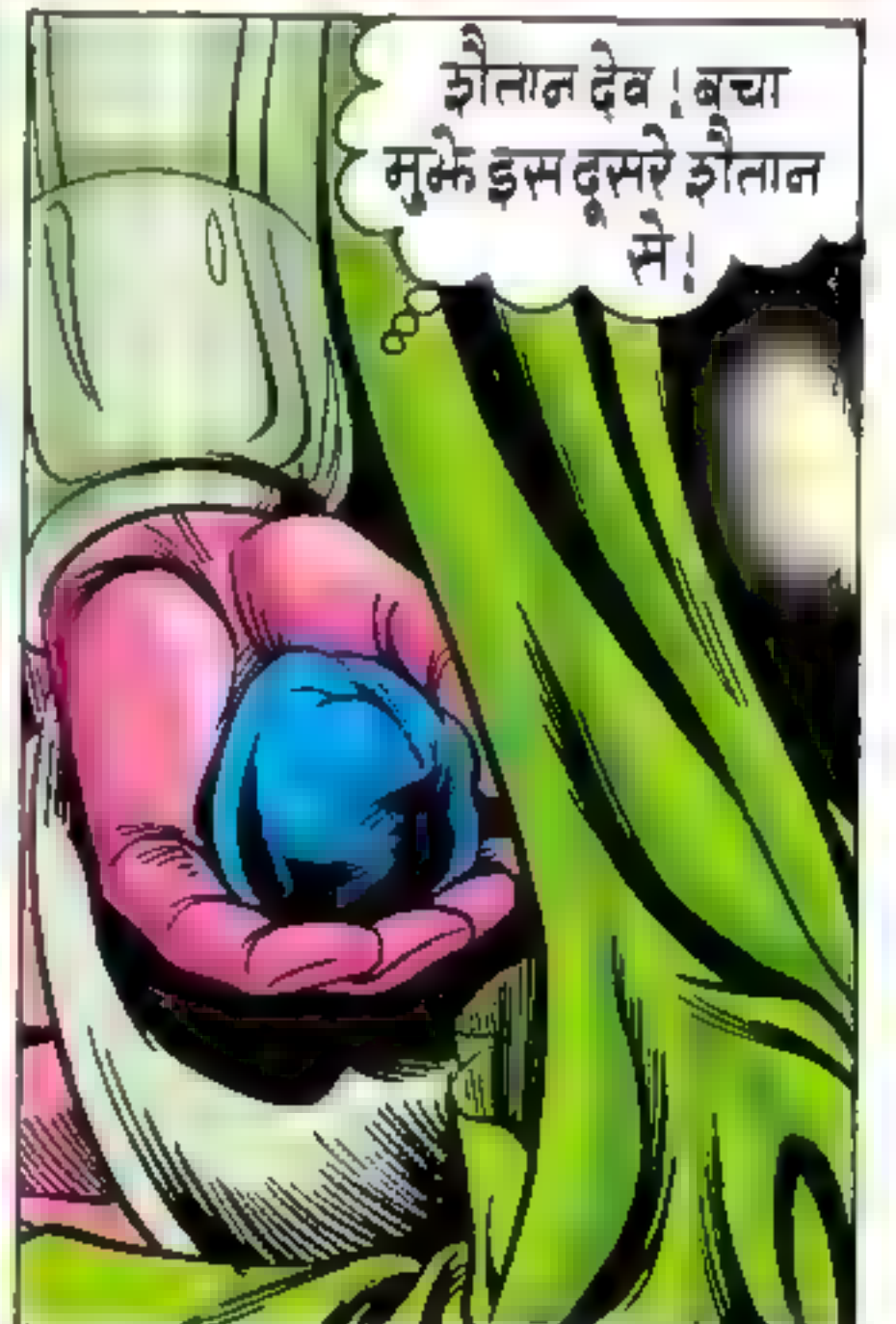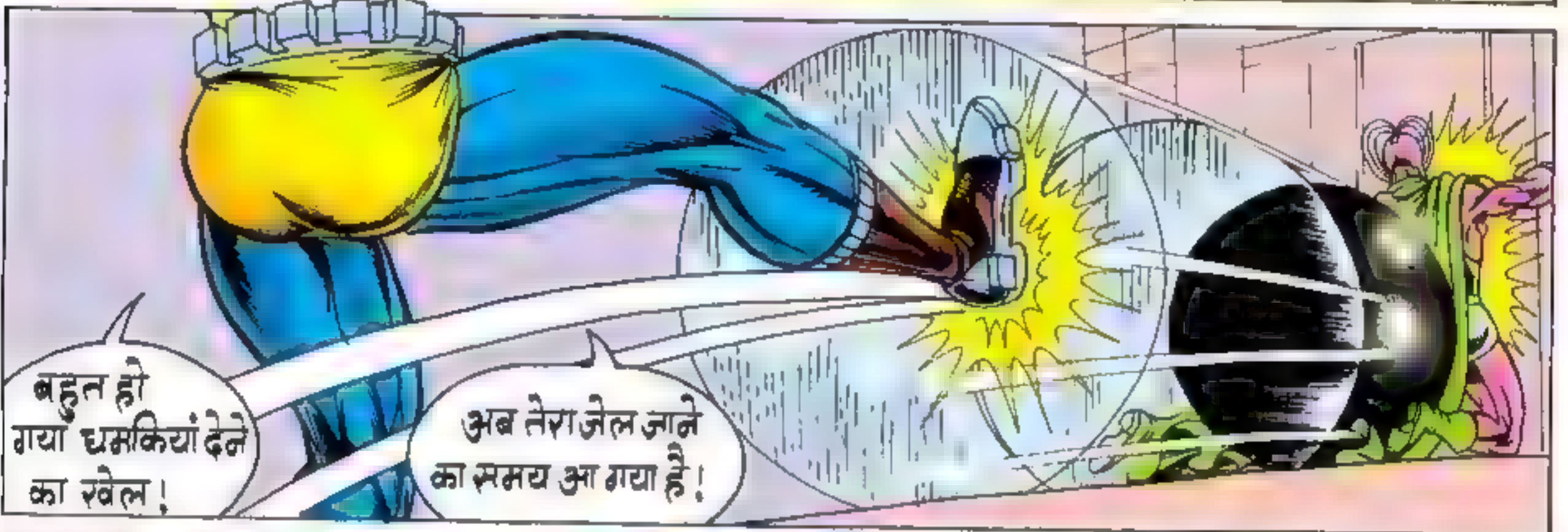
ध्रुव को अपने पीछे किसी के होने का आभास तो हुआ-

लेकिन तब तक बचने का समय खत्म हो चुका था-

और खुलती ही चली गई-
क्योंकि उसके चारों तरफ का माहौल बदल चुका था-
ध्यान से चारों तरफ देख, सुपर कमांडो ध्रुव! यह चुंबा का मैग्नेटिक चैंबर है...
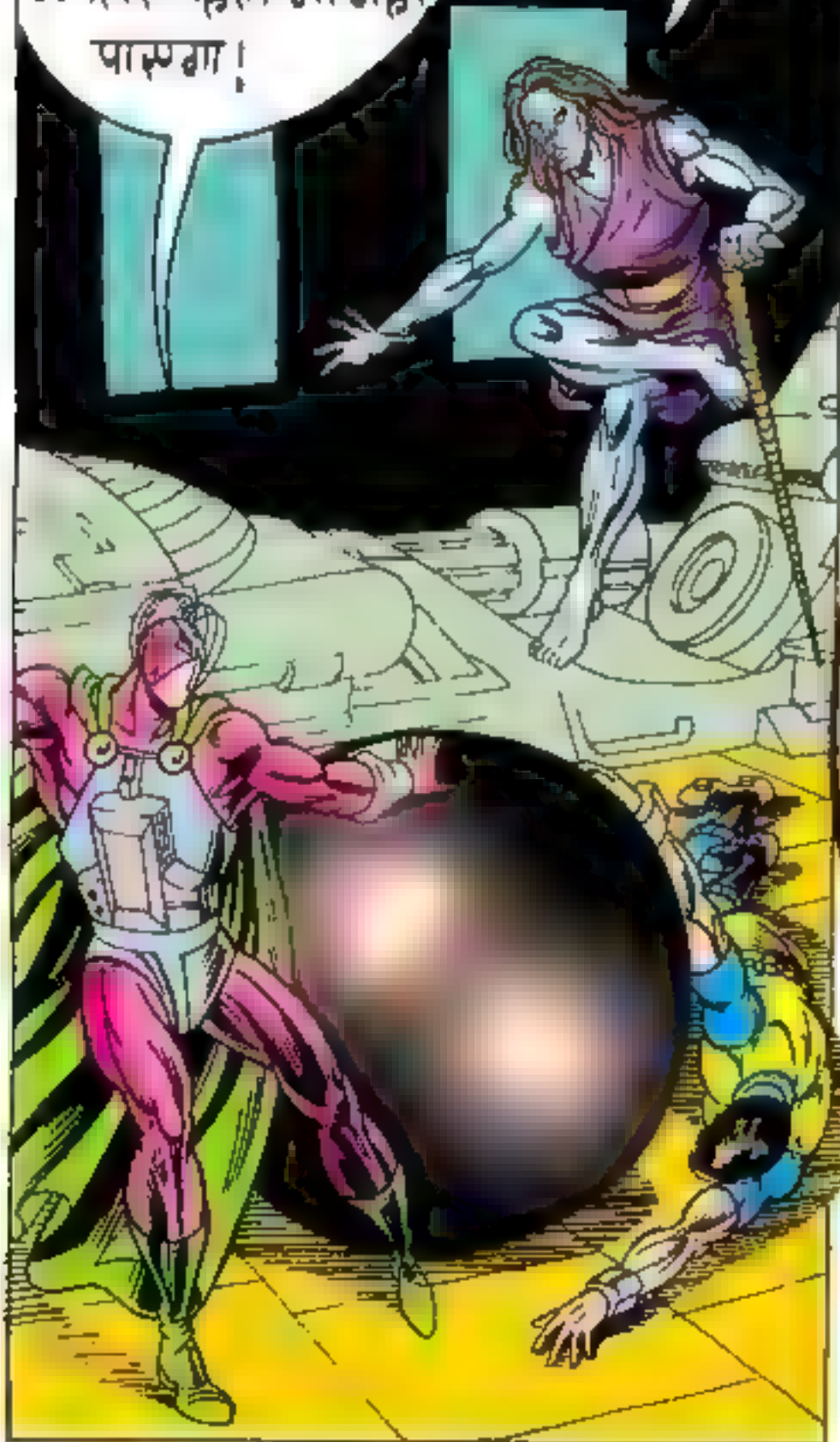
...और तेरे लिए ये मौत का चेंबर है! ऊपर लगी तीन 'नोजल' को देख! उनमें से अलग-अलग गैसें निकल रही हैं! और ये गैसें जब 'चुंबकीय क्षेत्र' के अंदर आपस में मिलती हैं, तो बन जाता है यूनिवर्सल सॉल्वेंट!
और इनका शिकार बनने वाला पहला इंसान होगा तू। और तेरी दर्दनाक मौत को चुंबा ठहाके लगा-लगा-कर देखेगा!
इन गैसों को रोकना होगा! शायद मेरे स्टार-ब्लेड्स नोजल को तोड़ सकें!
ओफ्! स्टार ब्लेड्स बेकार साबित हुए! कुछ ऊपर जाकर चुंबक में चिपक गए हैं!
और कुछ ब्लेड्स को ये मिश्रण गला रहा है!
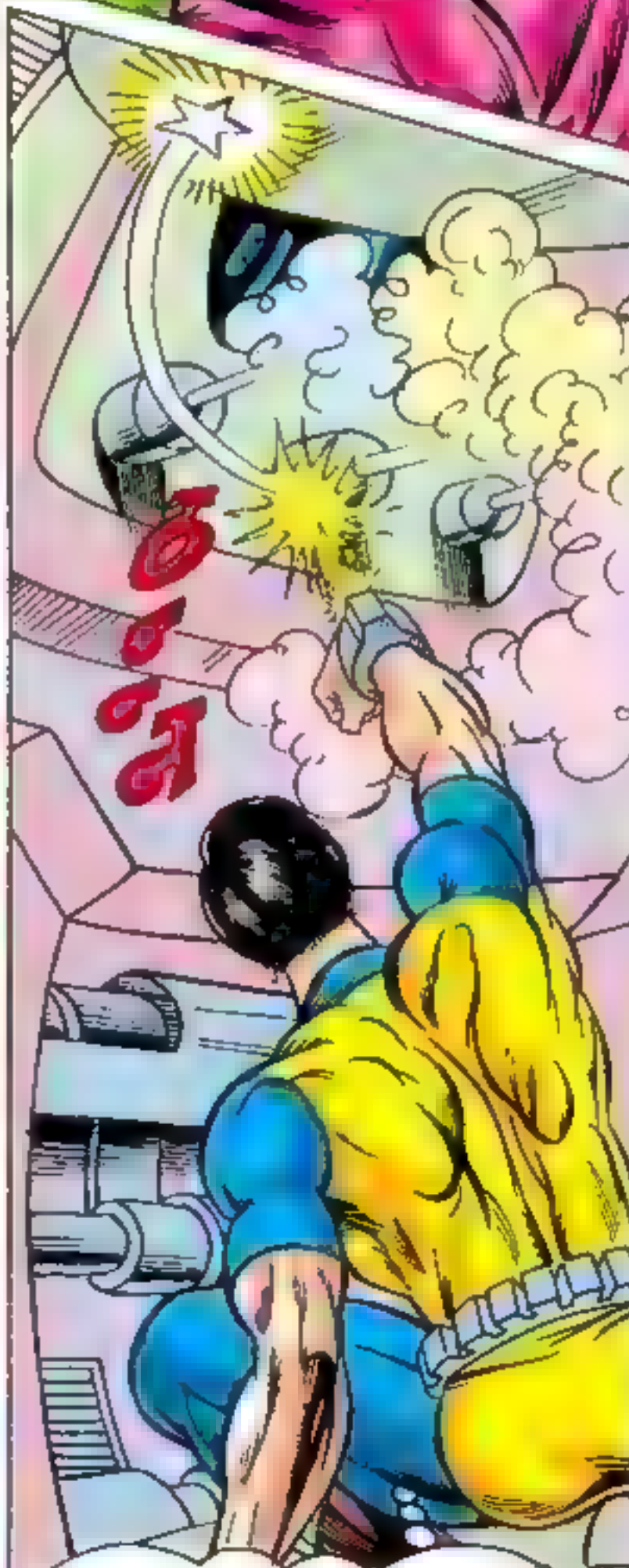
यानी ये वही मिश्रण है जिसने मोटे पेंच को भी गला दिया था! मुझे इससे बचना होगा!

ओह! मेरी बेल्ट, जूते और ब्रेसलेट बढ़ती हुई चुंबकीय शक्ति के कारण चुंबक से जा चिपके हैं! मैं हिल नहीं पा रहा हूं, और 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' इस कमरे में फैलता जा रहा है!
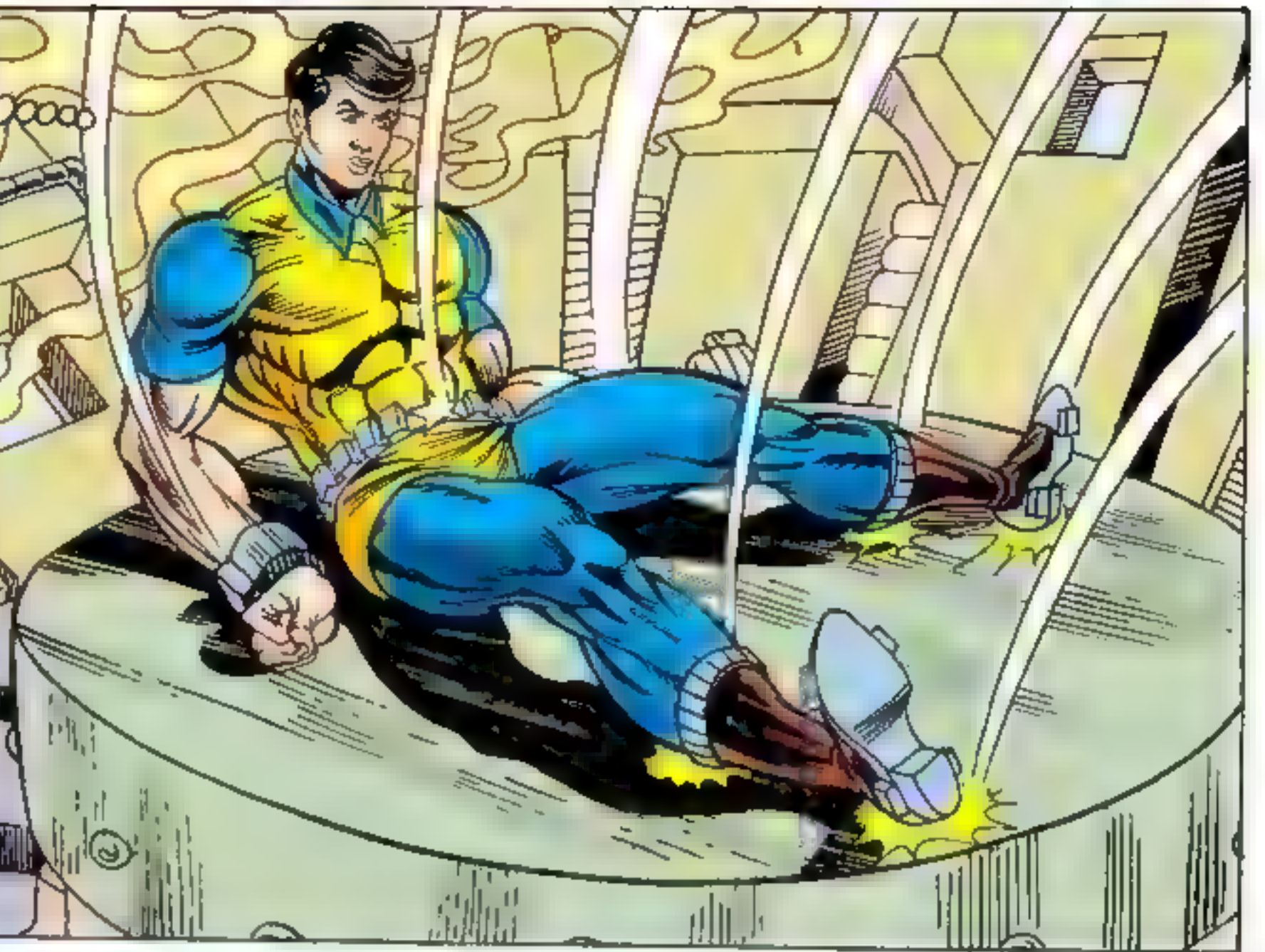
मैं चुंबक से तो आजाद हो गया! पर अब क्या करूं? बाकी सारी चीजें चुंबकीय क्षेत्र के बाहर हैं। सिर्फ मैं ही इस क्षेत्र के अंदर फंसा हुआ हूं! और ये मिश्रण धीरे-धीरे पूरे कमरे में फैलता जा रहा है!
अब तू मरेगा ध्रुव! गल-गलकर मरेगा!
मैं तो शायद न बचूं चुंबा! लेकिन तू भी नहीं बचेगा। मैंने पुलिस हैड-क्वार्टर में सिग्नल भेज दिए हैं। कुछ ही देर में पुलिस फोर्स तेरे अड्डे को घेर लेगी!
ये लड़का सच कह रहा है चुंबा! मुझे कुछ वाहनों के इधर ही आने का आभास हो रहा है। यहां से तुरंत निकल लो!
ध्रुव की मौत का नजारा देखे बगैर ही?
हमारा मकसद ध्रुव की मौत से बड़ा है चुंबा! हमको दुनिया पर राज करना है! समय व्यर्थ मत करो!
चलो!
चुंबा और शैतान देव पलभर में वहां से गायब हो चुके थे-

कहानी 19 पेज से जारी

और ध्रुव भी कुछ ही पलों बाद गायब होने वाला था-

चुंबा स्कास्क न जाने कहां गायब हो गया? कहीं...

...याऊsss

मेरा बूट!

ओsss ह! 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' का स्पर्श होते ही बूट का चमड़ा गल गया! शुक्र है कि मेरी चमड़ी बच गई! लेकिन कब तक?

सिर्फ चुंबकीय क्षेत्र को नष्ट करके ही इस सॉल्वेंट को नष्ट किया जा सकता है। लेकिन चुंबकीय क्षेत्र कैसे नष्ट होगा? आग से? लेकिन आग को मैं जलाऊंगा कैसे? और जला भी लिया तो इस बंद कमरे में मैं खुद भी उसमें जलकर मर जाऊंगा!

फिर क्या करूं? समझ गया!

मेरी बेल्ट अभी सलामत है! मुझे बेल्ट में से 'एसिड-कैप्सूलों' को निकालना होगा!
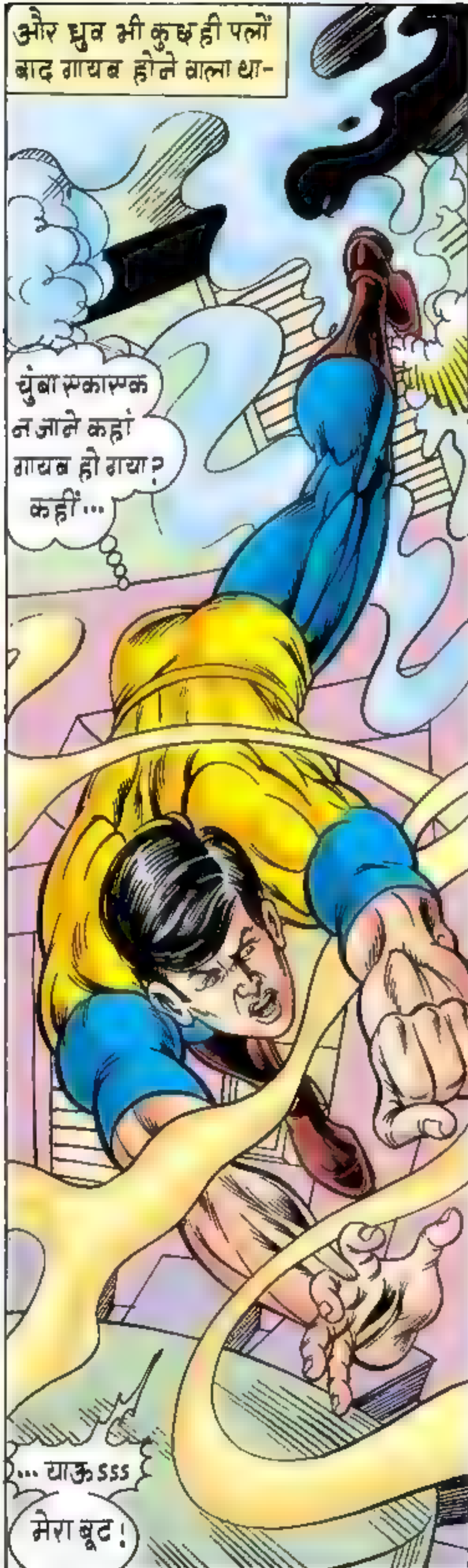
और ये एसिड कैप्सूल इन पेंचों को गलाने का काम करेंगे! पेंचों के गलने से यह चुंबक आजाद हो जाएगा...
और तीव्र आकर्षण के कारण ऊपर के चुंबक से जा चिपकेगा!
अब दोनों चुंबकों के बीच में फैला चुंबकीय क्षेत्र ऊपर तक ही सिमटकर रह गया है। साथ ही 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' भी इस कमरे की दीवार को गलाता हुआ खुद भी नष्ट हो रहा है!
अब देखता हूं कि चुंबा कहां गया?
ध्रुव! ध्रुव!

यानी वह आपके आने से पहले ही भाग निकला होगा!

यह असंभव है ध्रुव! उसका हैलीकॉप्टर तो अभी भी यहीं पर खड़ा है! और इस अड्डे की तरफ आने या जाने का एक ही रास्ता है!

और उस रास्ते पर हमारी पूरी निगरानी थी! यहां तक कि आस-पास की झाड़ियों में भी पुलिस के जवान तैनात थे!

चुंबा भाग नहीं सकता था! अब या तो उसको ज़मीन निगल गई या आसमान खा गया है!

चुंबा को कोई मदद दे रहा है! कोई रहस्यमय और खतरनाक शख्स! और वही चुंबा को यहां से निकाल-कर ले गया है!

एक अच्छी खबर भी है कैप्टेन! लालाजी होश में आ गए हैं!

वेरी गुड!

मुझे उनसे कुछ बेहद ज़रूरी बात करनी है!

और फिर अस्पताल में-

मुझे मालूम है ध्रुव, कि उस कागज में 'सर्व-विलयक' बनाने की विधि थी। इसीलिए मैं उस कागज को हर कीमत पर बचाना चाहता था! लेकिन अब भला क्या हो सकता है? वह कागज तो नष्ट हो गया है!

आपको 'सर्व-विलयक' की काट बनानी होगी नानाजी!

भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित एक छोटा सा मगर न्यूक्लियर शक्ति युक्त देश पास्तान! जो भारत में आतंकवादी गतिविधियां फैला-फैला-कर भारत के लिए हमेशा सिरदर्द पैदा करता रहा है-

प्रधानमंत्री जी!

प्रधानमंत्री निवास

सेना प्रमुख जनरल अशरफ और आतंकवादी गुटों के चीफ मकसूद खान! दोनों एक साथ हमारे यहां तशरीफ लाए हैं! और वह भी इस वक्त!

खैरियत तो है!

रात के बारह बजे!

हमारा पूरे देश पर कब्जा करने का प्लान आखिरी मुकाम पर है जनाब!
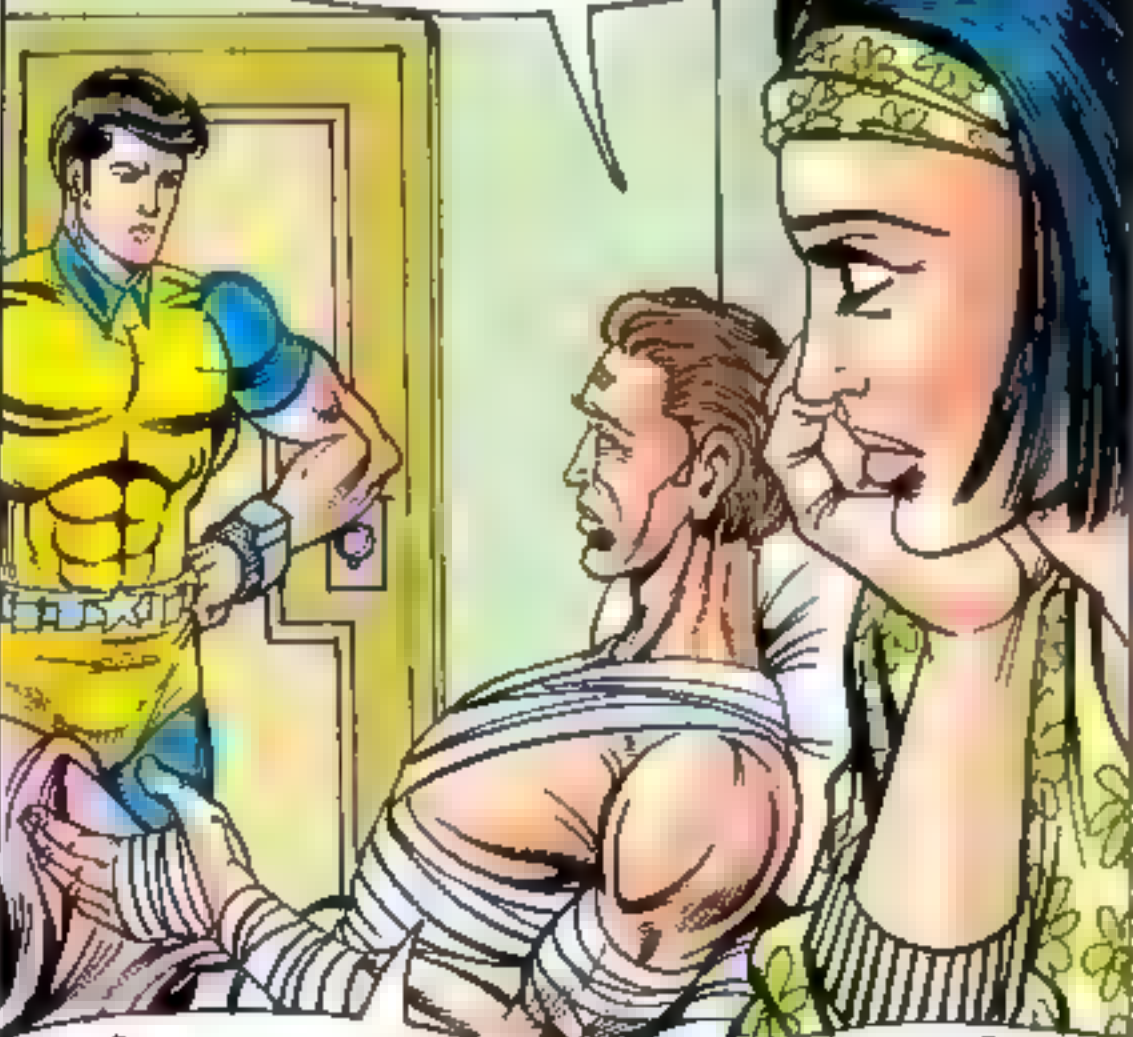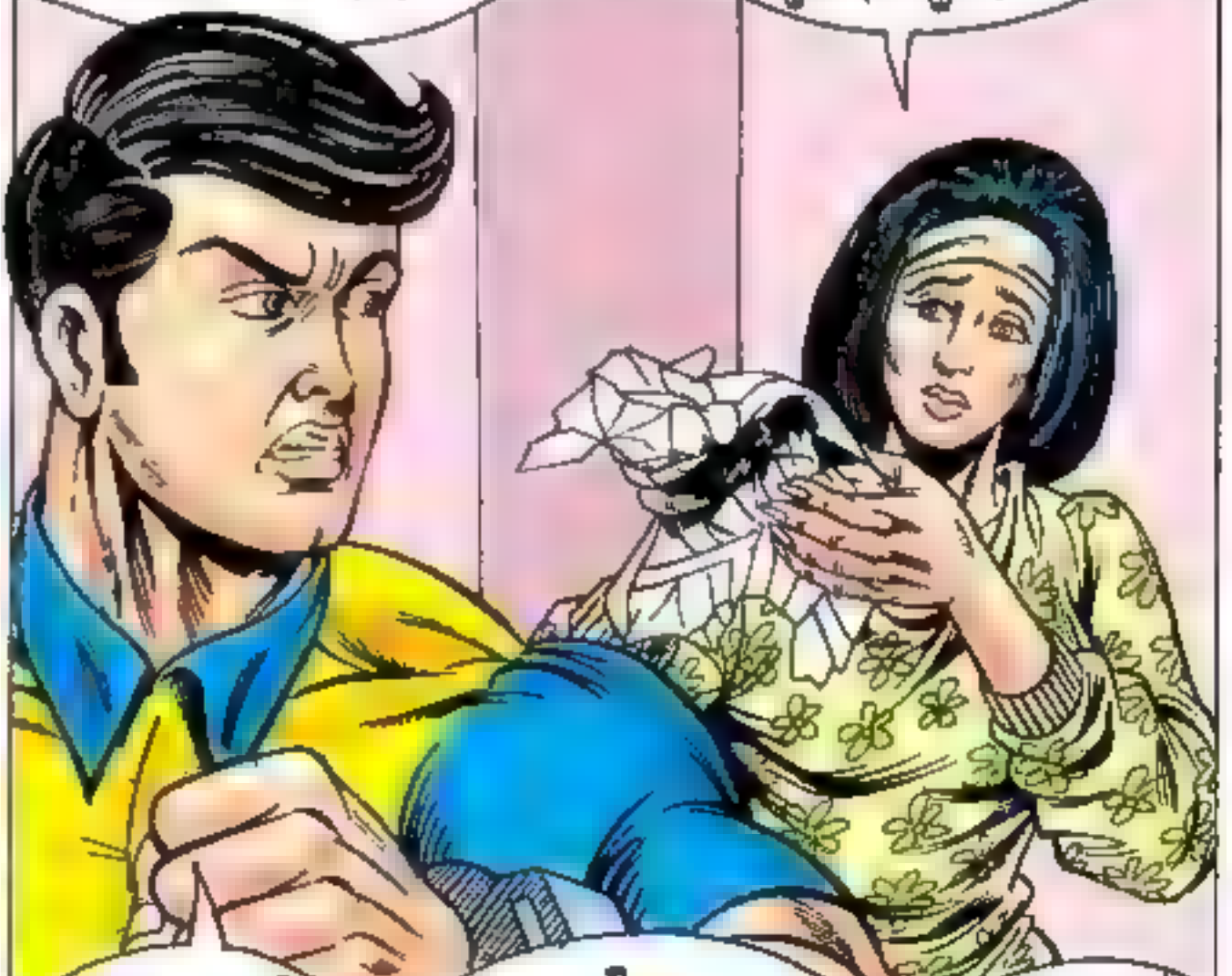
अकबर की तरह डायलाग मारना बंद करो प्रधानमंत्री! तुम अब कैद में हो! नजरबंद.
अच्छा! एक बात और बता दो, जनरल अशरफ!
अब इस देश पर राज करेगा कौन? तुम या फिर मकसूद?
मकसूद का मालिक मैं हूं प्रधानमंत्री, और मेरा मालिक है...
...शैतान!
और शैतान ने आदेश दिया है...
...कि पाकिस्तान और फिर सारी दुनिया पर हुकूमत करेंगे...
...सम्राट चुंबा!
चुंबा! क्या नाम है?
वैसे मैं जानता था कि तुम एक दिन ऐसी हरकत करोगे जनरल! इसीलिए मैंने इसका इंतजाम पहले ही कर लिया था!

ग्रीन ब्रिगेड!

ये है तुम्हारी हरकत का जवाब जनरल! स्पेशल ट्रेनिंग पास जांबाज कमांडोज का दस्ता!

इनका निशाना कभी नहीं चूकता। ये मौत से नहीं डरते! और इनके हथियार, सेना की एक पूरी बटालियन को खत्म कर सकते हैं!

आऽऽऽ ह! हमारा गोला, पलट-कर हम पर ही आ फटा!

चुंबा का चुंबकीय क्षेत्र ऐसी हर चीज को घुमाकर वापस फेंक देता है, कमांडोज!

...जिससे ये मास्क तुम लोगों को बचा सके! इसमें भरा है चुंबा का कहर! जो तुम सबको मोम की तरह गलाकर हवा में मिला देगा!
आऽऽऽह!
मेरा हाथ! मेरी गन! मैं... मैं गल रहा हूं!
कुछ ही पलों में पूरी ग्रीन ब्रिगेड हवा में घुल चुकी थी-
जय हो! जय हो चुंबा सम्राट की!
अब इस प्रधानमंत्री को भी साफ कर दीजिए सम्राट!
अब जाओ! पास्तान और सारी दुनिया तक मेरा पैगाम पहुंचा दो कि अब दुनिया का सम्राट चुंबा है, और जिसने ये मानने से इंकार किया, वह देश, दुनिया के नक्शे पर से मिट जाएगा!
इसको सरेआम फांसी दूंगा! ताकि इससे सबक लेकर कोई दूसरा सर उठाने की जुर्रत न करे!

चुंबा की 'पाप-भक्ति' से शैतान और ताकतवर हो रहा था-
हा हा हा! शाबाश चुंबा! मैंने तुझे चुनकर कोई गलती नहीं की! अब तू सारी दुनिया को पाप की चादर से ढक दे! और बना दे शैतान को इस दुनिया का भगवान!
पास्तान में 'सत्ता पलट' की खबर, जल्दी ही दुनिया भर में फैल गई-
ये है जनरल अशरफ का संदेश!
अब से थोड़ी देर पहले पास्तान में सेना ने सरकार का तख्ता पलट दिया है। एक संदेश में जनरल अशरफ ने कहा कि अब पास्तान दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनेगा!
पास्तान में सेना ने सत्ता की बागडोर संभाल ली है!
और इस सत्ता के जरिए पास्तान पर और फिर सारी दुनिया पर राज करेंगे...
सम्राट चुंबा!
दुनिया के देशों! गौर से सुनो, और इसको धमकी नहीं, चेतावनी समझो!
हमारी आधीनता स्वीकार कर लो, वर्ना मिटा दिए जाओगे!
चुंबा! चुंबा पास्तान में है!
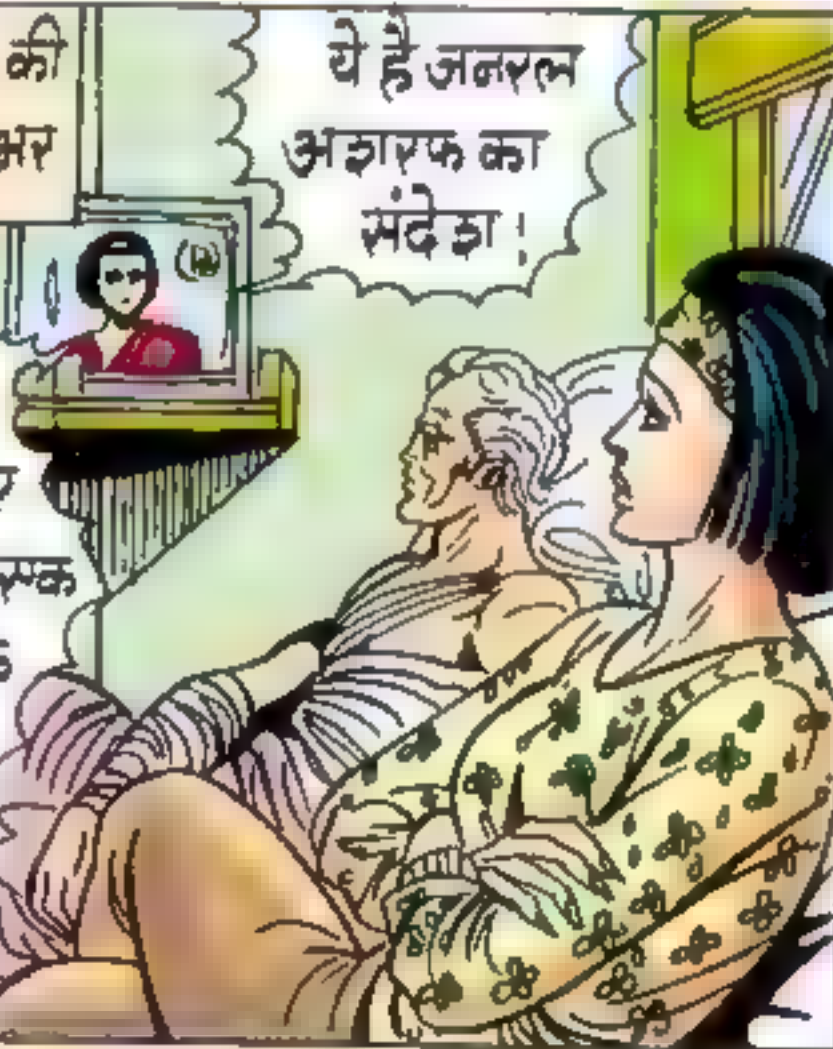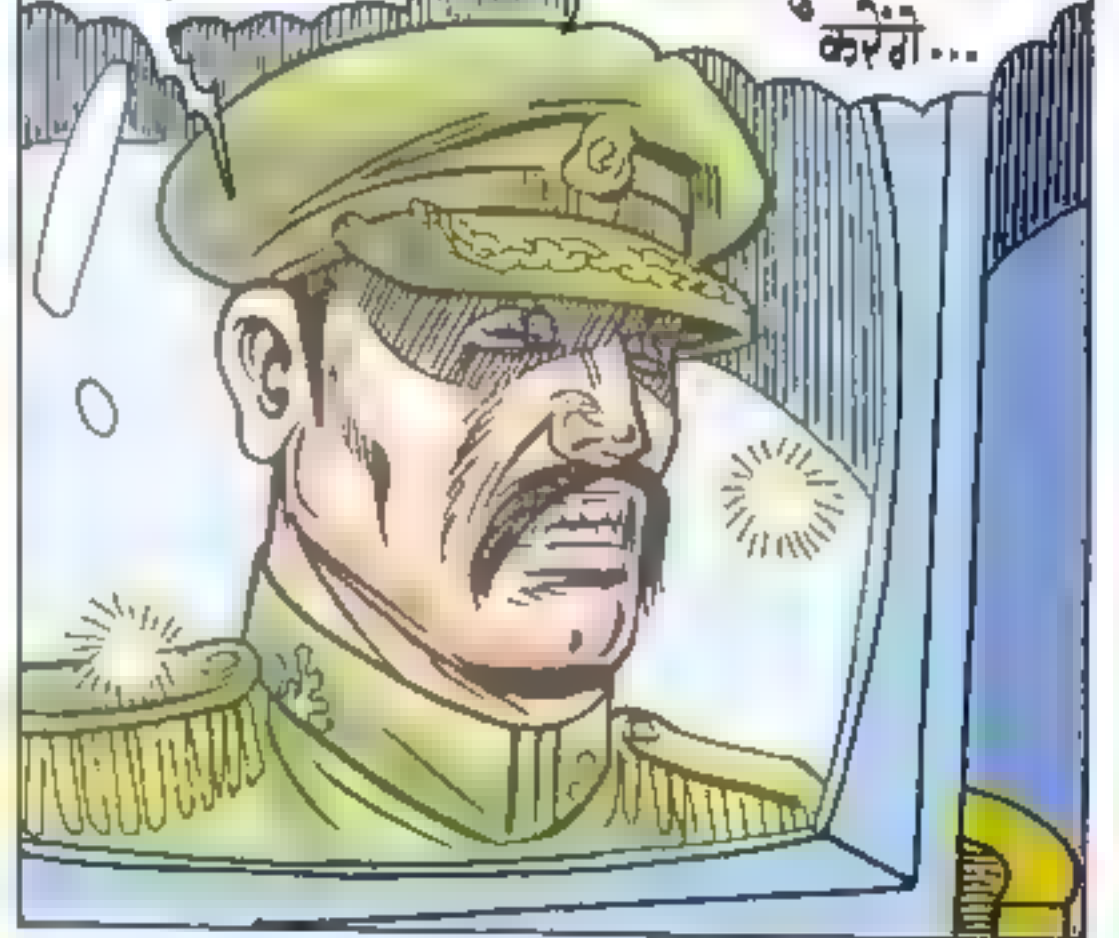
मुझे पास्तान जाना होगा! चुंबा खोखली धमकी नहीं दे रहा है! वह चाहे तो 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' से सचमुच एक पूरे देश को हवा में मिला सकता है। उसे रोकना होगा!
नहीं ध्रुव! अब यह एक अंतर्राष्ट्रीय मामला बन चुका है! तुम्हारी ऐसी किसी भी हरकत का परिणाम युद्ध भी हो सकता है!
क्योंकि चुंबा अब एक साधारण अपराधी नहीं, एक न्यूक्लियर शक्ति युक्त देश का तानाशाह है!
पहले स्थिति को पूरी तरह से साफ हो जाने दो! फिर अपने अगले कदम के बारे में सोचना!
आप ठीक कह रहे हैं पापा!
पास्तान में-
हमारे मैसेज का दुनिया पर क्या असर हुआ है, जनरल?
सभी इसको मजाक समझ रहे हैं! अमेरिका ने तो आपको ही गद्दी छोड़ देने की चेतावनी दे डाली है!
यानी दुनिया को यह एहसास दिलाना होगा कि स्थिति गंभीर है!
एक लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल को तैयार करो! और उसका निशाना अमेरिका की किसी भी चीज पर फिक्स कर दो!

और पाकिस्तान की क्या स्थिति है?
कई सैनिक इस 'तख्ता पलट' का विरोध कर रहे हैं! लेकिन मैंने हिन्दुस्तान पर कब्जा करने की आड़ में आतंकवादियों को पाकिस्तान में शरण इसी दिन के लिए देरखी थी! अब आतंकवादी मेरे सैनिकों के साथ, उन वफादार सैनिकों से लोहा ले रहे हैं!
युद्ध जारी है! पर जीत हमारी होगी!
गुड! मिसाइल छोड़ने की तैयारी करो!
और फिर अमेरिका में-
मिस्टर प्रेसीडेंट! मिस्टर प्रेसीडेंट!
उस पागल तानाशाह चुंबा ने एक मिसाइल दाग दी है। निशाना है अरब सागर में खड़ा हमारा एक लड़ाकू जहाज!
अब उसने हद कर दी है!
पहले 'इंटरसेप्टर मिसाइल' छोड़कर उस हमलावर मिसाइल को नष्ट कर दो!
और फिर लड़ाकू विमान भेजकर, पाकिस्तान के उस प्रधानमंत्री निवास को नष्ट कर दो, जिसमें वह चूहा छुपा बैठा है!
ठीक है सर! मैं अभी आपका आर्डर 'बैटलशिप' तक पहुंचा देता हूं!
आदेश मिलते ही इंटरसेप्टर मिसाइल हमलावर मिसाइल को नष्ट करने के लिए बढ़ चली-

हमारी 'इंटरसेप्टर मिसाइल' एकदम सही निशाने पर है। कुछ ही सेकंडों में 'पास्तानी मिसाइल' के चिथड़े उड़ जाएंगे।
लेकिन...लेकिन 'पास्तानी मिसाइल' के चारों तरफ घेरा किस चीज का बना है?

यह घेरा 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' का था-
जिसको छूते ही 'इंटर सेप्टर मिसाइल' गलती चली गई-

ओ गॉड! हमारी मिसाइल तो न जाने कहां गायब हो गई। और पास्तानी मिसाइल हमारी तरफ आ रही है!
एबोर्ट द शिप! कूद जाओ पानी में!

पास्तानी मिसाइल के टकराते ही बैटलशिप, मिसाइल में भरे 'सर्व-विलयक' के धुंध से घिर गई-

और देखते-देखते पूरी शिप हवा में घुल चुकी थी-
क्या भरा था, इस मिसाइल में?

अमेरिका के राष्ट्रपति भवन में-

सर! सर! पूरी बैटेलशिप हवा में घुल गई। किसी रहस्यमय हथियार का वार किया था चुंबा ने! अब हम लड़ाकू विमान भेजें या नहीं?

नहीं! चुंबा खोखली धमकियाँ नहीं दे रहा है। उससे बात-चीत की पेशकश करो! और इस बीच पता लगाओ कि वह किस हथियार का प्रयोग कर रहा है!
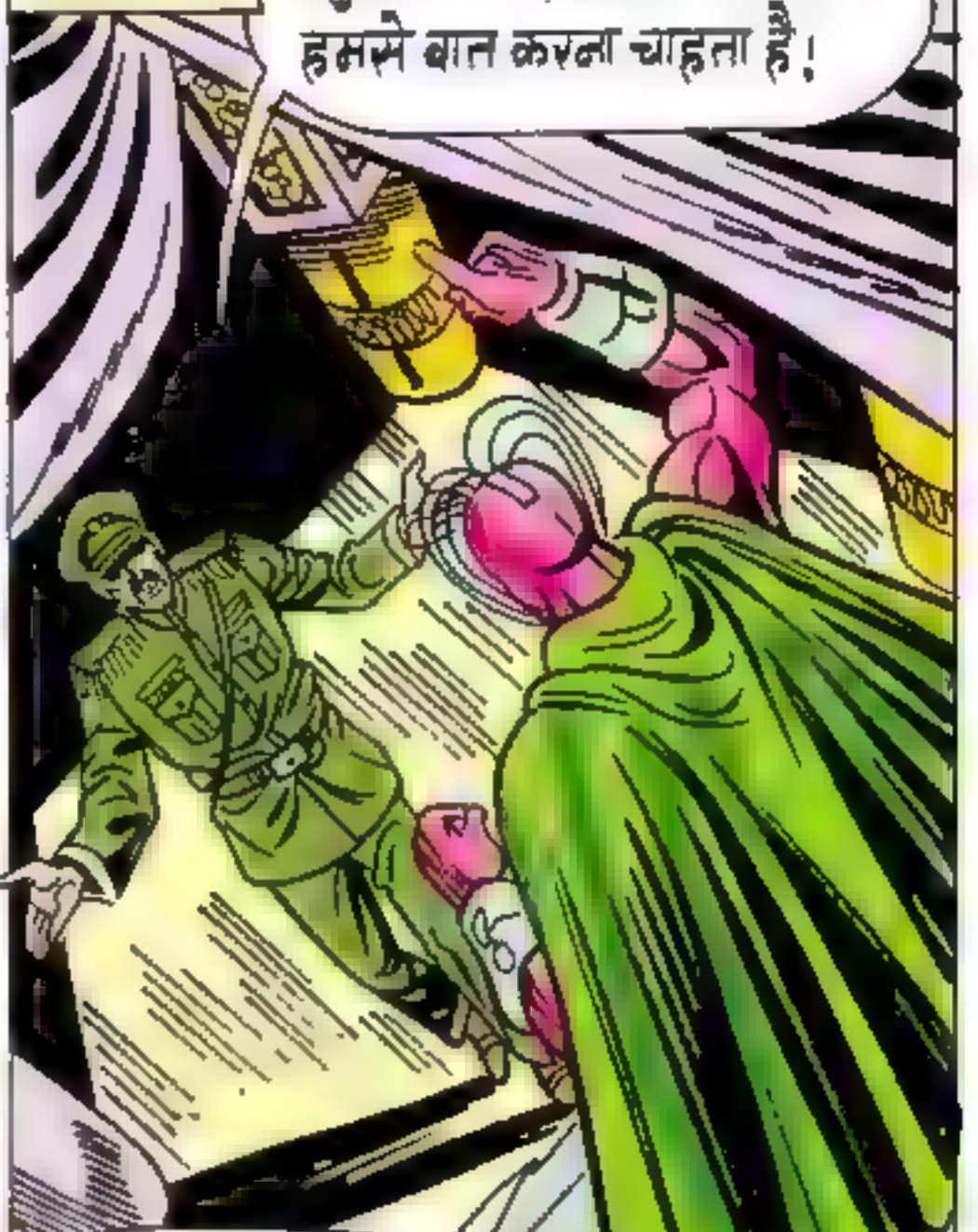
पास्तान में-

खुशखबरी है सम्राट! अमेरिका हमसे बात करना चाहता है!

हा हा हा! दुनिया का सबसे ताकतवर देश हमारे आगे घुटने टेक रहा है। जाओ, उनको फिर से हमारा पैगाम दो!

गुलामी या तबाही!

ही ही ही! अब दुनिया का राज मुझसे ज्यादा दूर नहीं है! जल्दी ही सारी दुनिया एक ही शख्स को सलाम करेगी, सम्राट चुंबा को!
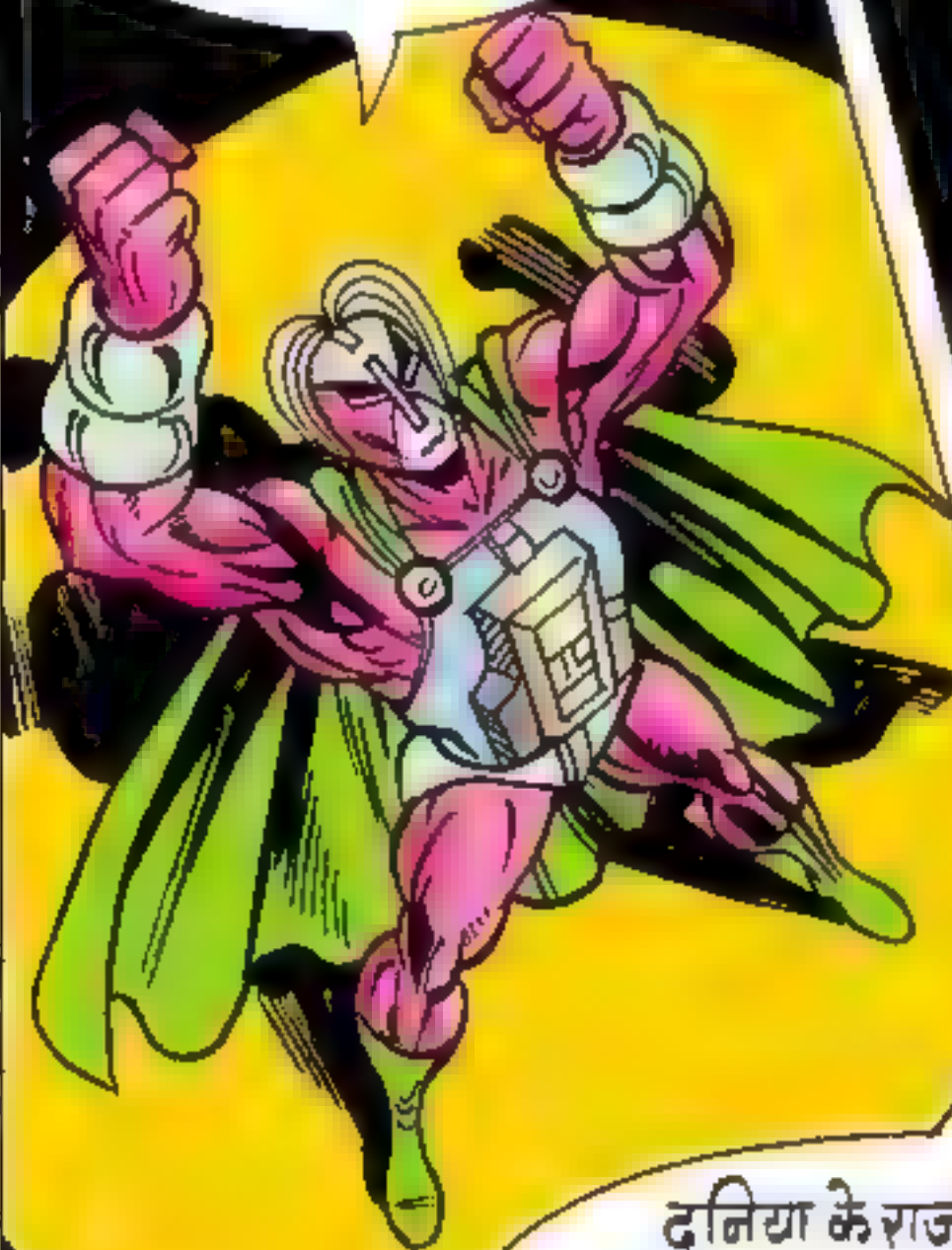
दुनिया के राज और तुम्हारे बीच में अभी एक रुकावट बची है चुंबा!

सुपर कमांडो ध्रुव! हां, वह अभी जिन्दा है!
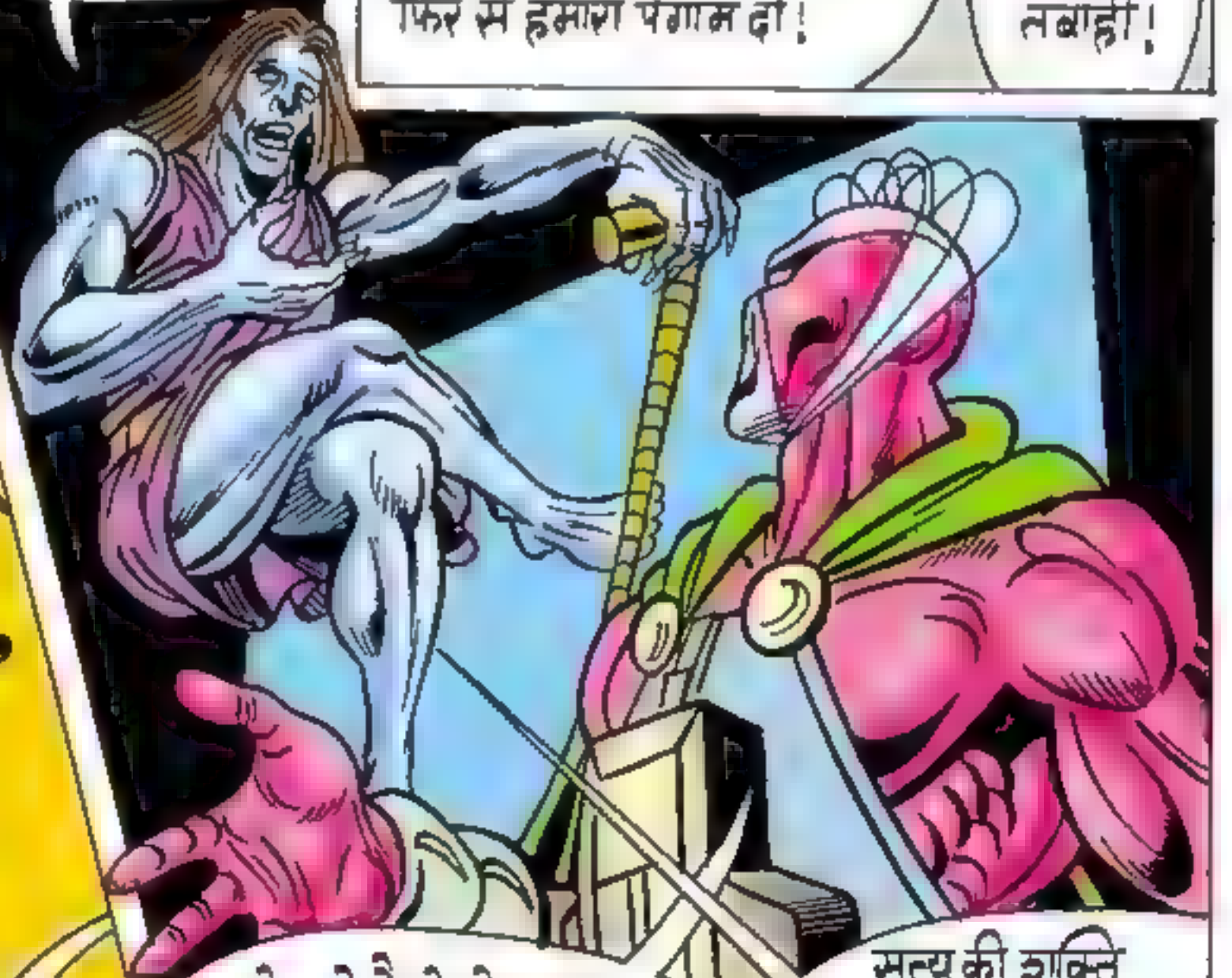
ये... ये कैसे हो सकता है! सुपर कमांडो ध्रुव कोई भगवान तो है नहीं, जो यूनिवर्सल सॉल्वेंट से बच सके!

सत्य की शक्ति उसके साथ है! पहले उसको खत्म करो। फिर दुनिया पर राज करने की सोचना!

कहानी 35 पेज से जारी

अब ध्रुव मेरे लिए एक मच्छर के बराबर है ! पूरा पास्तान मुझसे कांपता है ! पूरी दुनिया चुंबा के नाम से थर्राती है ! ध्रुव अब मेरा कुछ बिगाड़ नहीं सकता।
तुम बहुत बड़ी गलती करने जा रहे हो चुंबा ! ध्रुव यहां पर आएगा ! जरूर आएगा, और तुमको धूल में मिलाकर चला जाएगा !

तूने चुंबा सम्राट से ऐसी बात कहने की गुस्ताखी कैसे की ? अब मुझे न तो तेरी सलाह की जरूरत है शैतान देव, और न ही तेरी !
ये रहा तेरा श्याम खंड ! पकड़ इसे और दफा हो जा यहां से !
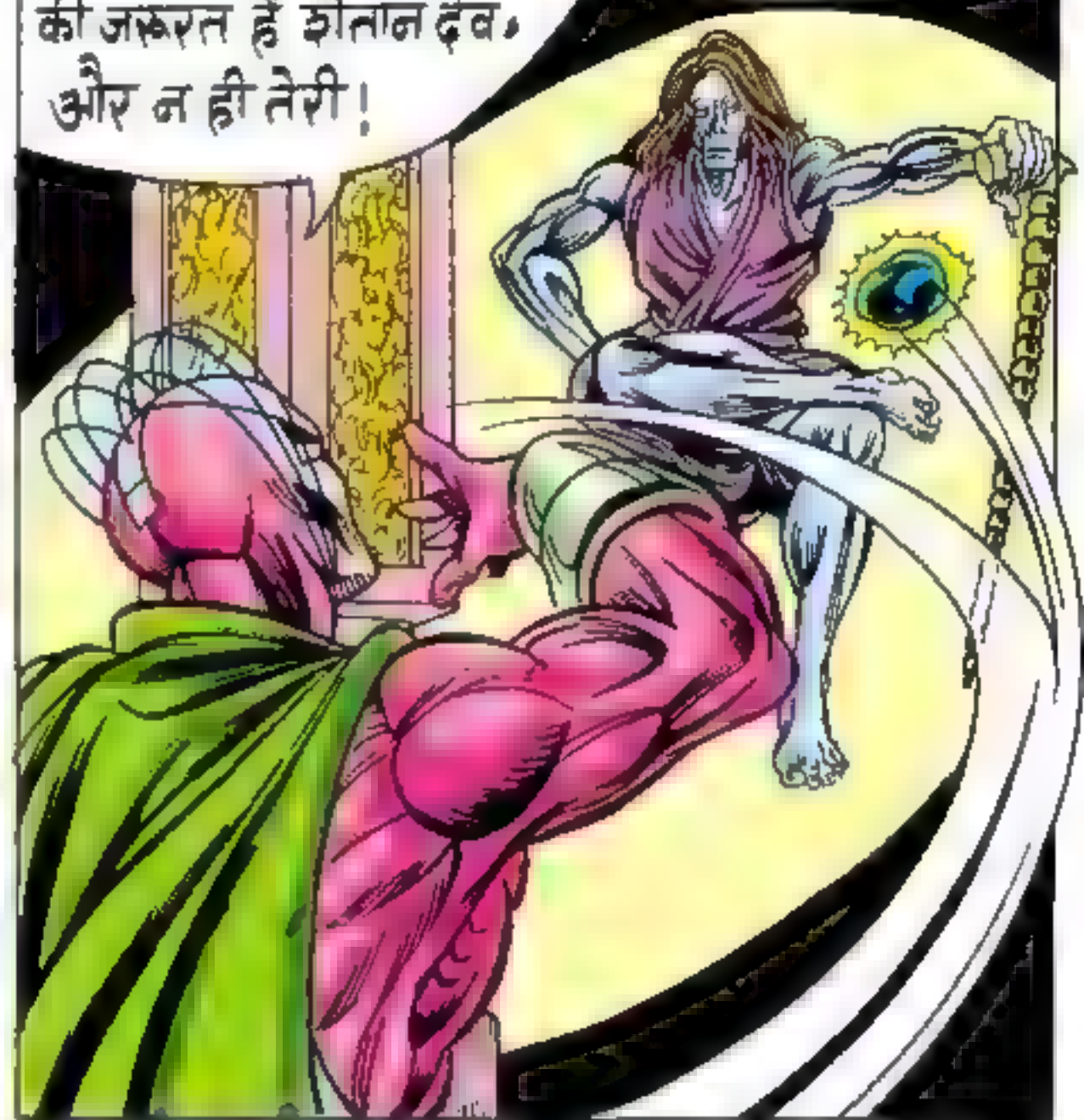
श्याम खंड को फेंककर तूने मेरा और अपना संबंध तोड़ दिया है चुंबा ! अब तेरे पाप मेरे किसी काम के नहीं रहे ! लेकिन फिर भी मैं तुझे रोकूंगा नहीं ! क्योंकि तू पाप बढ़ाएगा तो पापी भी बढ़ेंगे ! और शैतान यही चाहता है !
जा सफल हो चुंबा !

राजनगर में—
अमेरिकी सरकार ने अपनी एक शिप नष्ट होने के बाद चुंबा से बातचीत की पेशकश की है ! पूरी दुनिया इसे अमेरिका की हार समझ रही है ! चुंबा ने पास्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री को परसों सरेआम फांसी देने का ऐलान किया है। भारती न्यूज के लिए मैं नीता भल्ला पास्तान से...
देखलीजिए नानाजी ! चुंबा दुनिया को बरबाद कर रहा है ! आपको 'सर्व विलयक' का तोड़ ढूंढना ही होगा !
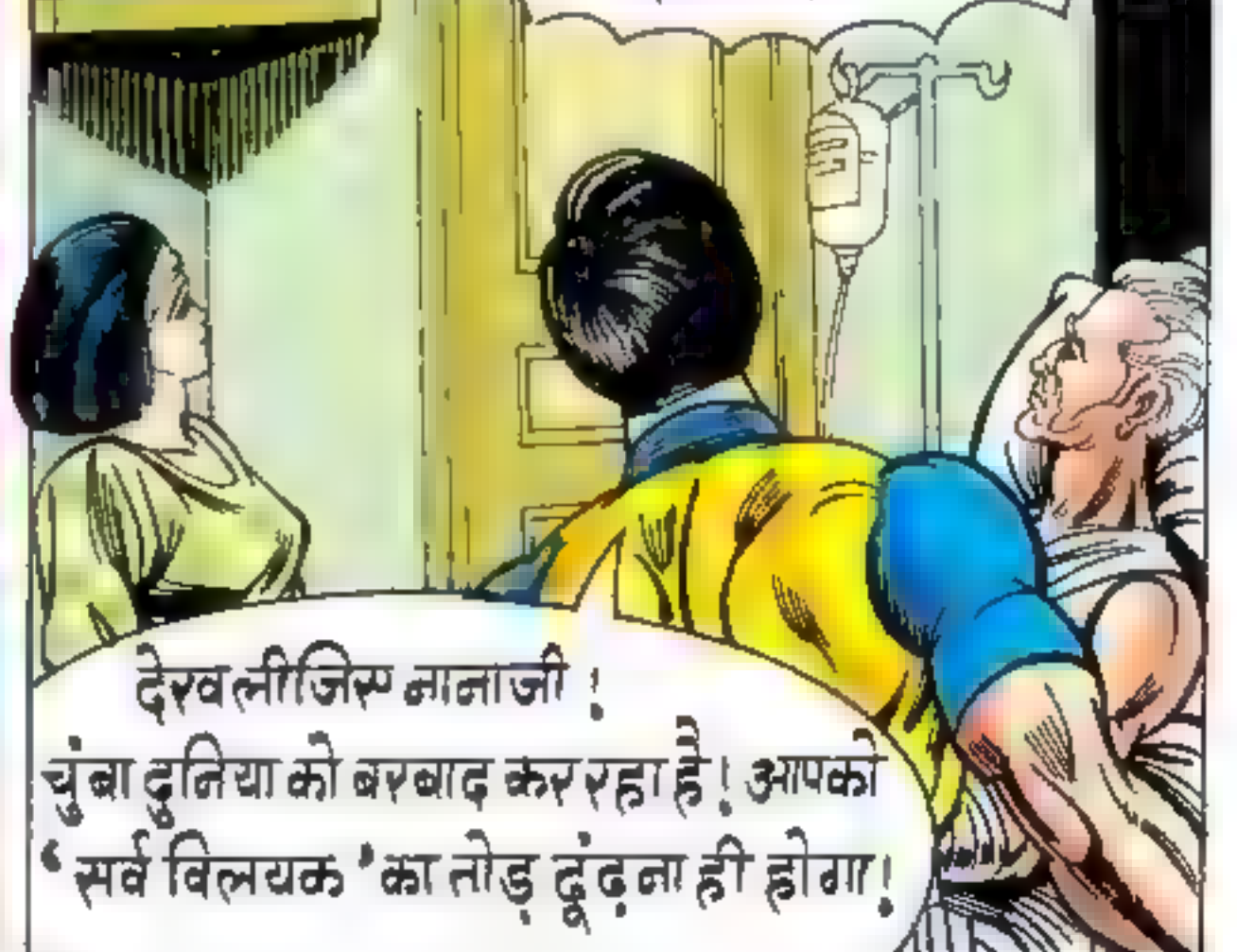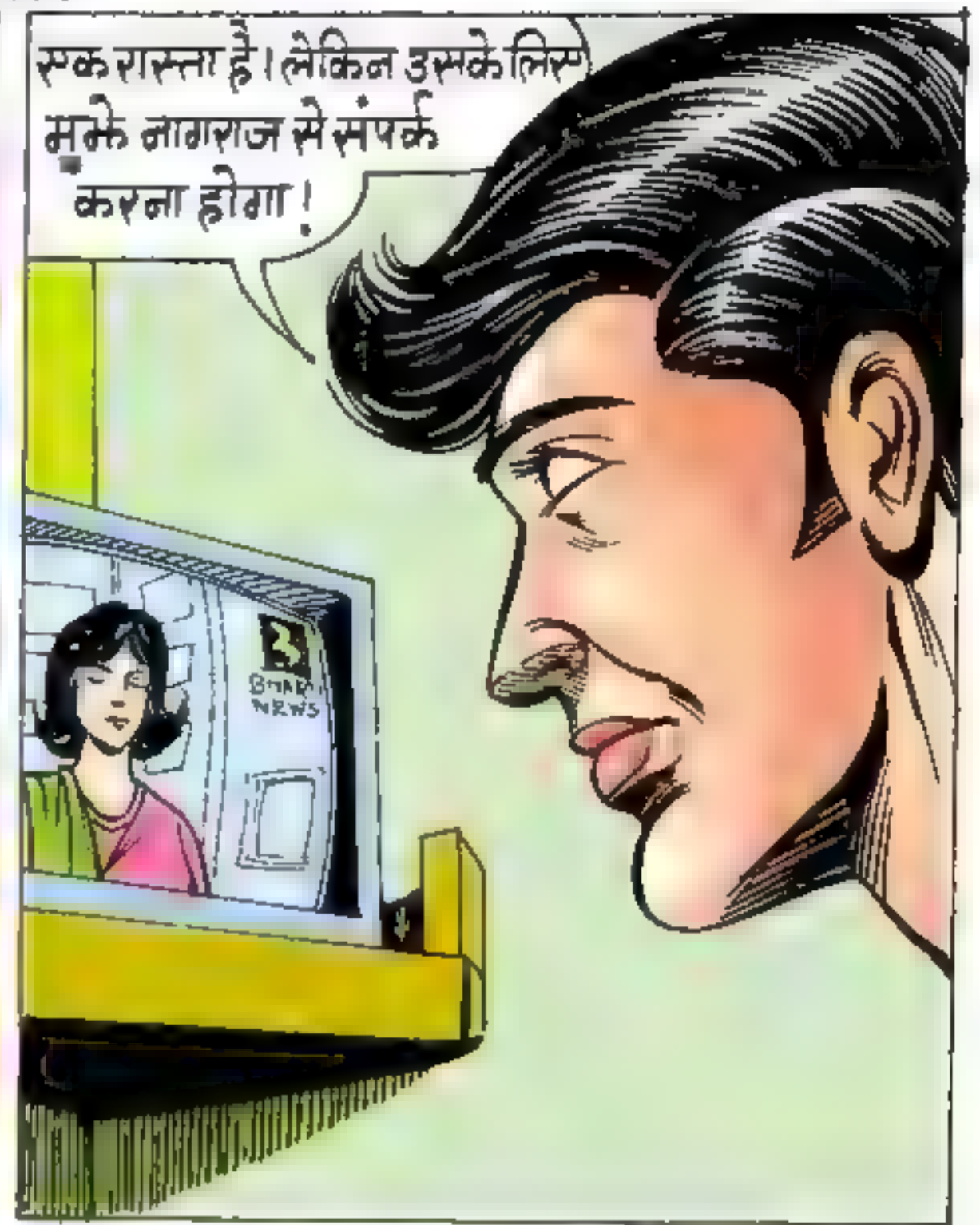
और फिर- पास्तान की राजधानी के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर-

हम 'भारती न्यूज चैनेल' के रिपोर्टर बनकर पास्तान तो आ गए, ध्रुव! लेकिन अब हम चुंबा तक कैसे पहुंचेंगे?
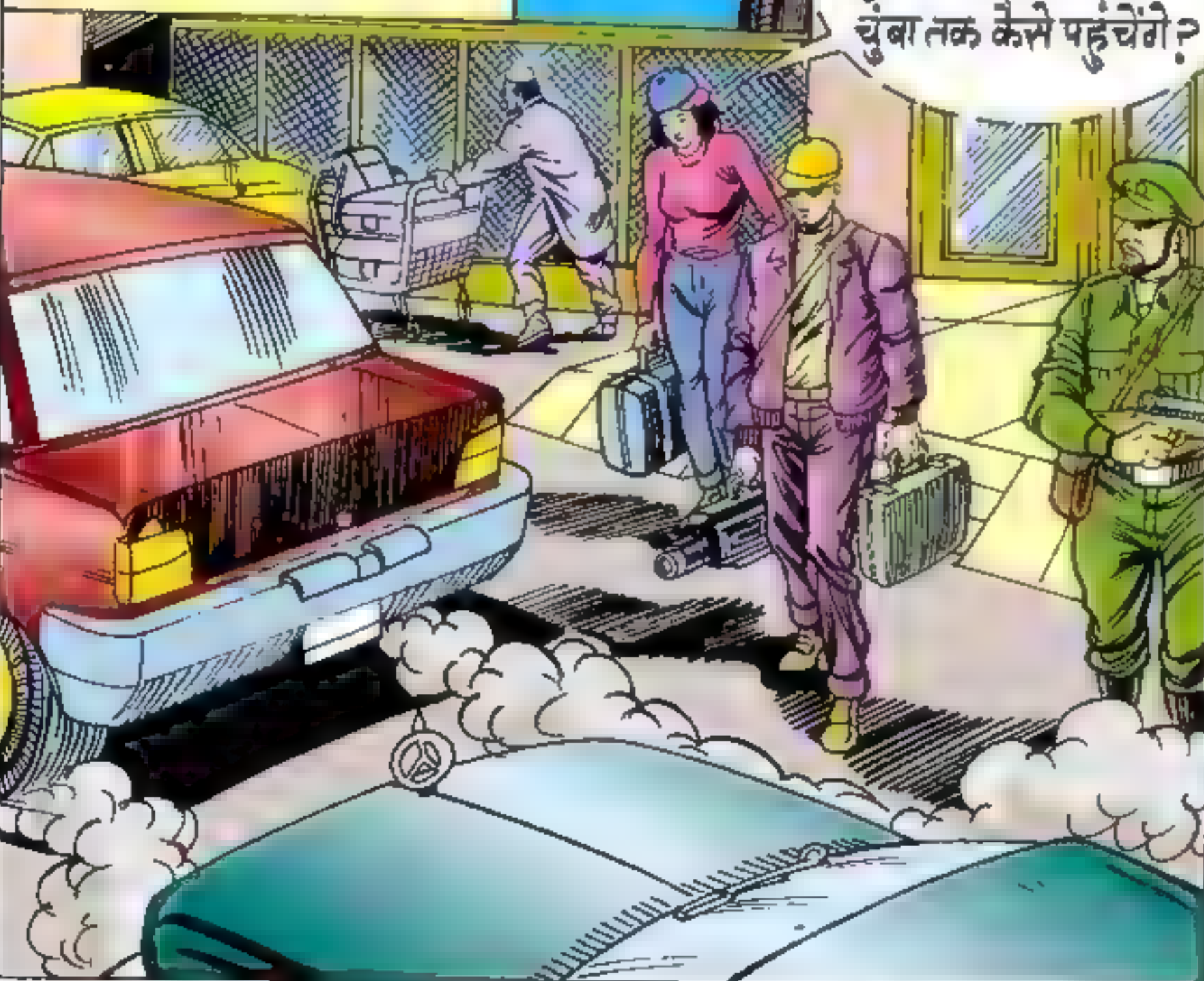
वेलकम टू पास्तान, ध्रुव एंड श्यामली! तुम्हारे बारे में मैडम भारती ने हमको खबर भेज दी थी...
मीट नीता भल्ला! रिपोर्टर भारती न्यूज! ये श्यामली है नीता!
और प्रधानमंत्री को कहां पर कैद किया गया है, ये हमको बताएंगी भारती न्यूज की असली रिपोर्टर.

... अब बताओ कि चलना कहां है?

और फिर-
ये देखो ध्रुव! ये आर्मी जनरल अशरफ का निवास है। यहीं पर प्रधानमंत्री कैद हैं, और कल उनको फांसी दी जाने वाली है।
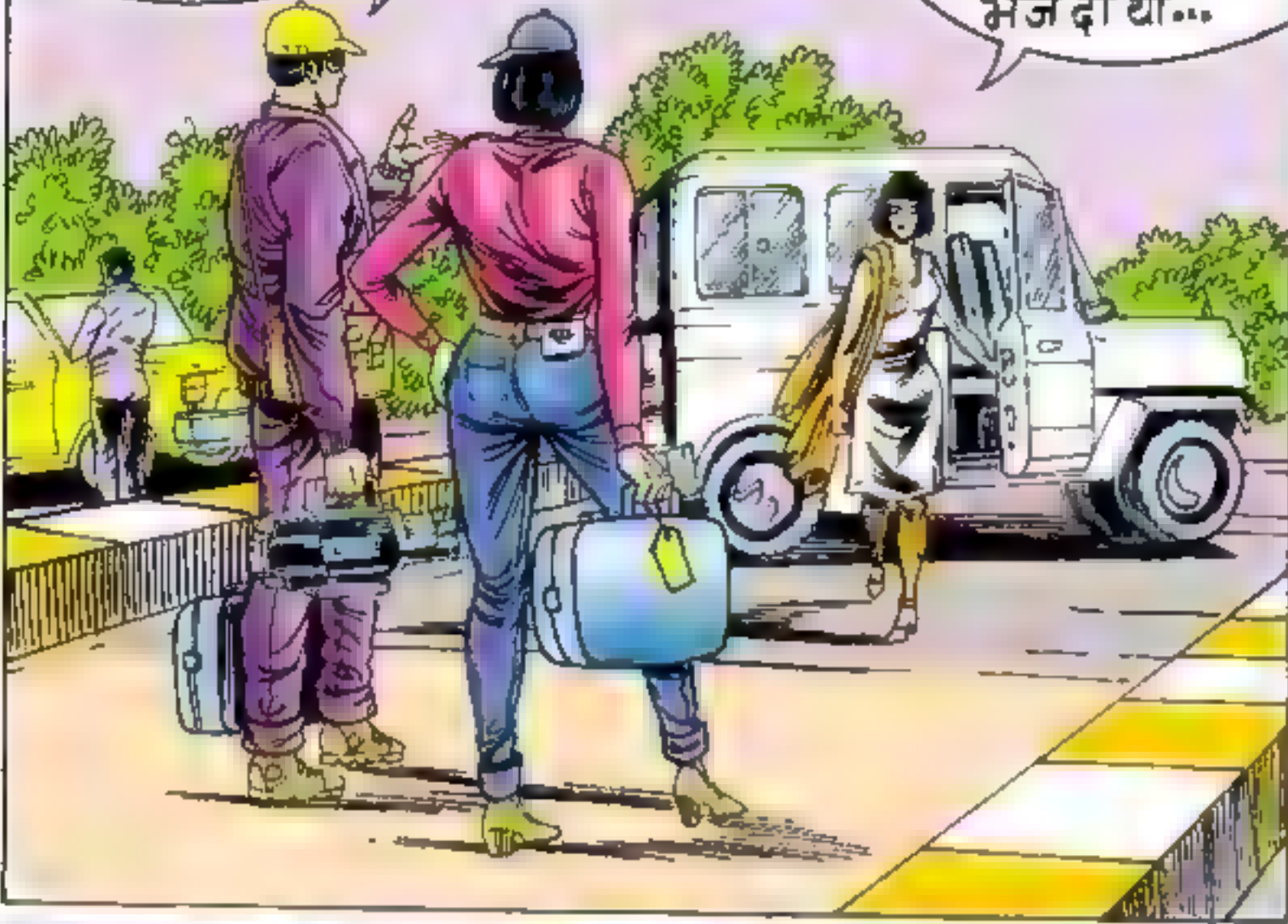
जैसा कि तुम देख ही रहे हो कि चप्पे-चप्पे पर सैनिक तैनात हैं! छत पर 'एंटी एयरक्राफ्ट गन' भी फिट है! और बीच का रास्ता एकदम साफ है!
बगैर सैनिकों की नजर में आए मकान तक पहुंचना असंभव है!
किनारे बने लकड़ी के इस केबिन में क्या है?

यह जनरल अशरफ के घोड़ों का अस्तबल है! कल मैं यहां पर प्रधानमंत्री का इंटरव्यू लेने आई थी! इंटरव्यू तो नहीं मिला, लेकिन इस केबिन के अंदर से घोड़ों के हिनहिनाने की आवाजें आ रही थीं!
ठीक है! अब मेरा प्लान तैयार है। तुम यहां से निकल जाओ, नीता! रेडी, श्यामली?
यस ध्रुव! मैं तैयार हूं!
थोड़ी ही देर बाद-
आहा! इतनी अच्छी खुशबू कहां से...
...आ रही हैsss
अस्तबल के पास बस यही दो सैनिक थे!
धाड़
अब अस्तबल में घुसने का रास्ता साफ है श्यामली!
हम प्रधानमंत्री को छुड़ाने आए हैं या घोड़ों को छुड़ाने?
हिनsss ईईई
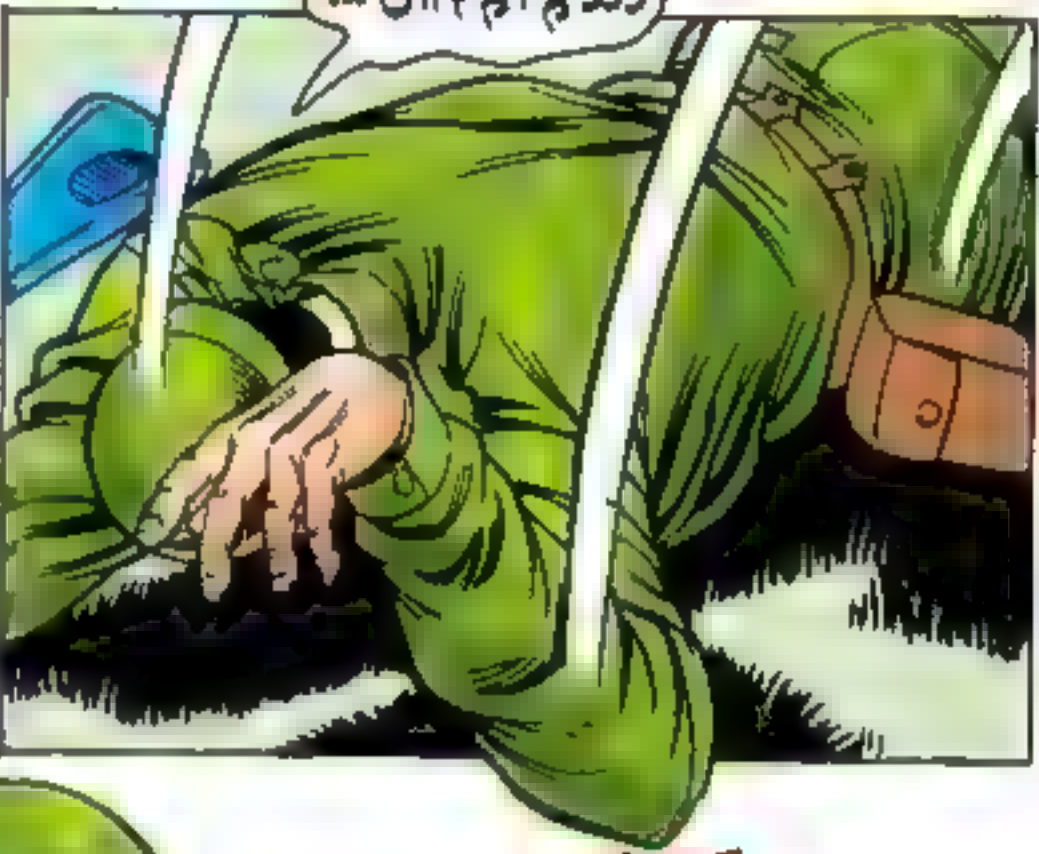
ये इस तरह हिनहिनाएंगे तो सैनिक यहां आ जाएंगे!
मैं इनको चुप कराता हूं!
हिनन्हीईईई
अरे वाह! ये तो सचमुच चुप हो गए!
तुम घोड़ों से बात कर सकते हो क्या?
घोड़ों से ही नहीं, मैं कई तरह के पशु-पक्षियों से बातें कर सकता हूं! मैं इन्हीं के साथ खेला और बड़ा हुआ हूं!
कमाल है!
हिननहींsss
क्या?
हिननन हिंहीहीsss
हिन हिनन हिंईई
इस घोड़े ने तुमसे क्या कहा, ध्रुव?
ये जनरल अशरफ का पर्सनल घोड़ा है। और इसने मुझे जो कुछ भी बताया है, वह चुंबा का तख्ता पलटने को काफी है। सुनो!
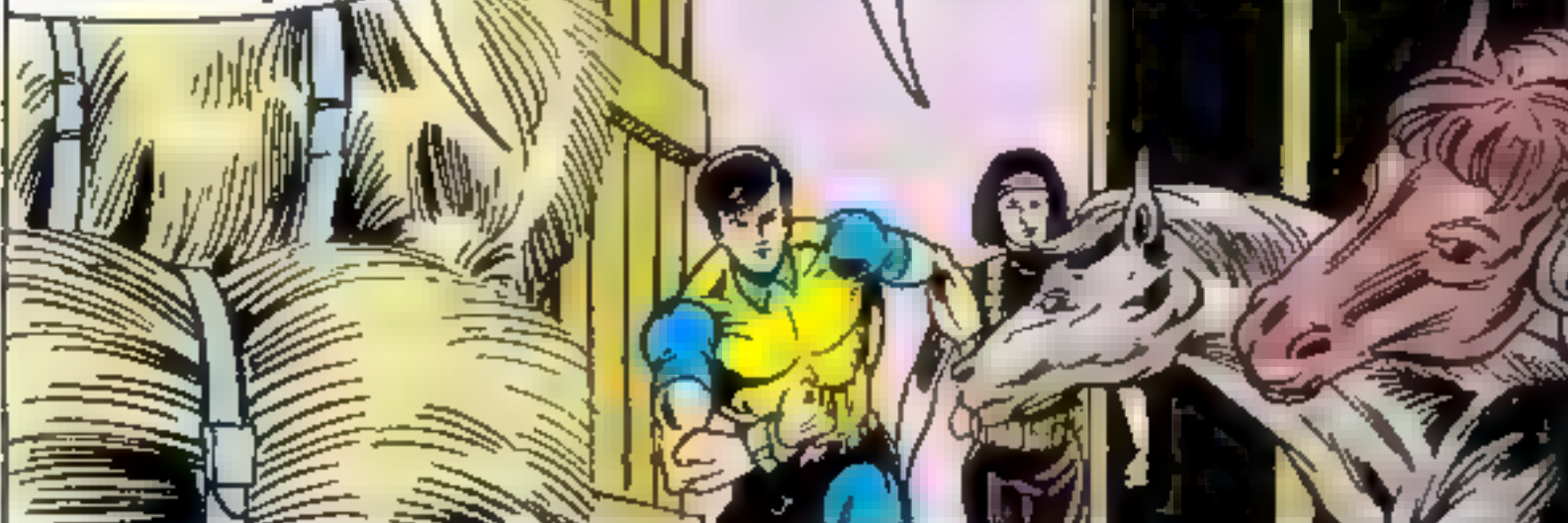
कुछ ही देर बाद- वहां भगदड़ मच गई-

अरे, जनरल साहब के घोड़े कैसे छूट गए?

ये तो उनके घर की तरफ ही भाग रहे हैं। इन पर गोली चलाऊं क्या?

मूर्ख, जनरल साहब तुझे तोप से उड़ा देंगे। वे इन घोड़ों पर जान छिड़कते हैं। इनको पकड़ कर वापस अस्तबल में बंद कर!

भूलकर भी इन पर गोली मत चला देना।

देखा श्यामली! ऐसे हम बिना सैनिकों की नजर में आए उस मकान तक पहुंच जाएंगे।

यू आर रियली जीनियस ध्रुव!

कुछ ही देर बाद-
हम अंदर आ गए हैं श्यामली!
और रास्ता भी साफ है! क्योंकि अब अंदर वाले सैनिक भी घोड़ों को पकड़कर अस्तबल में बांधने की कसरत में जुट गए हैं!
लेकिन हमको ये कैसे पता चलेगा कि इतने बड़े घर में प्रधानमंत्री कहां पर कैद हैं?
इसका भी हल है मेरे पास!
गुटरगूं! गुर्र्र्र!
गुटर्रर गूंगूंगूं कूंकूं गुटर्र
ये इसी मकान में रहने वाला कबूतर है। ये तुमको प्रधानमंत्री तक ले जाएगा!
तुम प्रधानमंत्री को आजाद कराओ, और मैं चुंबा के 'तख्ता पलट' की रस्में पूरी करता हूं। तुमको डर तो नहीं लग रहा है?
पहले लग रहा था, लेकिन अब नहीं लग रहा! तुम्हारे साहस ने मेरी हिम्मत भी बढ़ा दी है! गुडलक!
लेकिन भाग्य शायद श्यामली के साथ नहीं था-
देखो! वो लड़की! ये अंदर कैसे घुस आई? खत्म कर दो इसको!

भाग्य तो किसी का भी साथ, कभी भी छोड़ सकता है-
लेकिन एक चीज श्यामली को न तो कभी धोखा दे सकती थी, और न ही कभी उसका साथ छोड़ सकती थी-
उसका रसायन ज्ञान-
तड़ तड़ तड़ तड़
'अचेत रसायन' का वार करने का वक्त नहीं है! 'अम्लगल' के धुएं का वार करना होगा!
अरे! अरे! हमारी गोलियों को इस धुएं ने गला दिया!
श्यामली भी धमाके का जवाब धमाके से दे सकती है! बारूद का जवाब है शक्तिशाली विस्फोटक नाइट्रोग्लिसरीन!
ओफ्! धमाके सुन-कर बाहर वाले सैनिक भी अब अंदर ही आ रहे हैं!
इनका रास्ता रोकेंगे मेरे 'लवण-वृक्ष'!
जो वायु के संपर्क में आते ही वृक्ष की तरह बढ़कर इनका रास्ता रोक लेंगे!
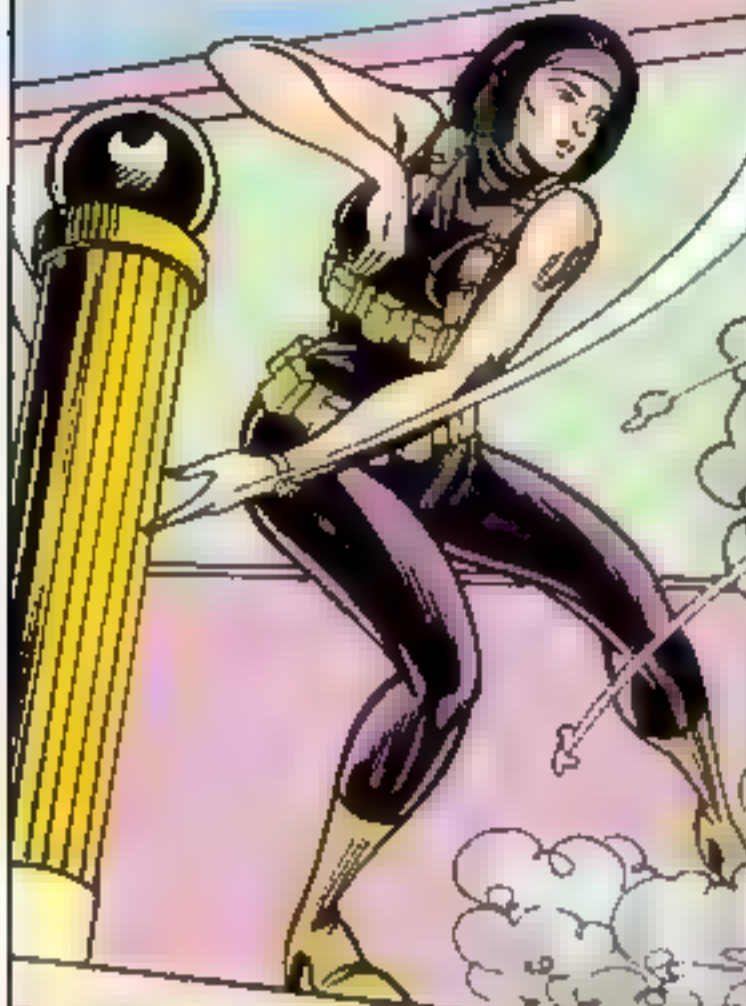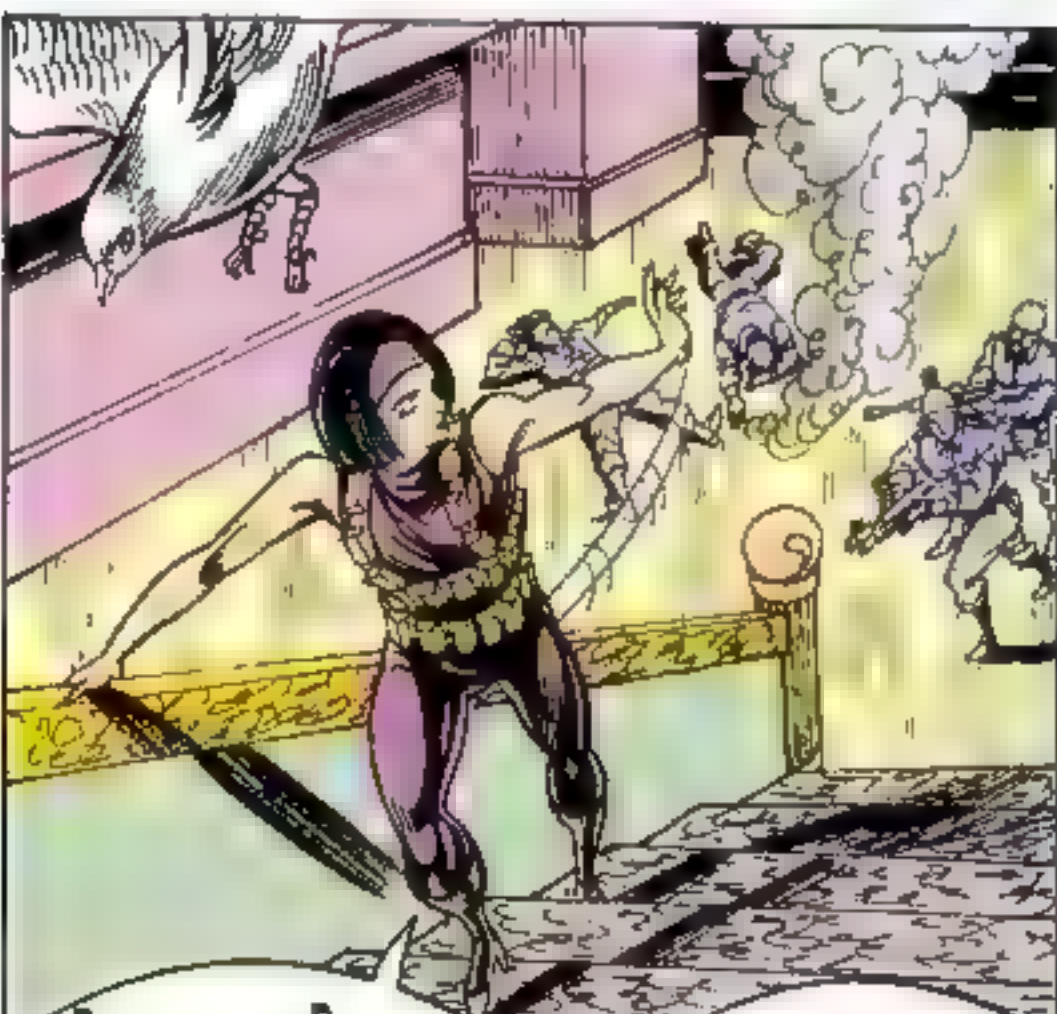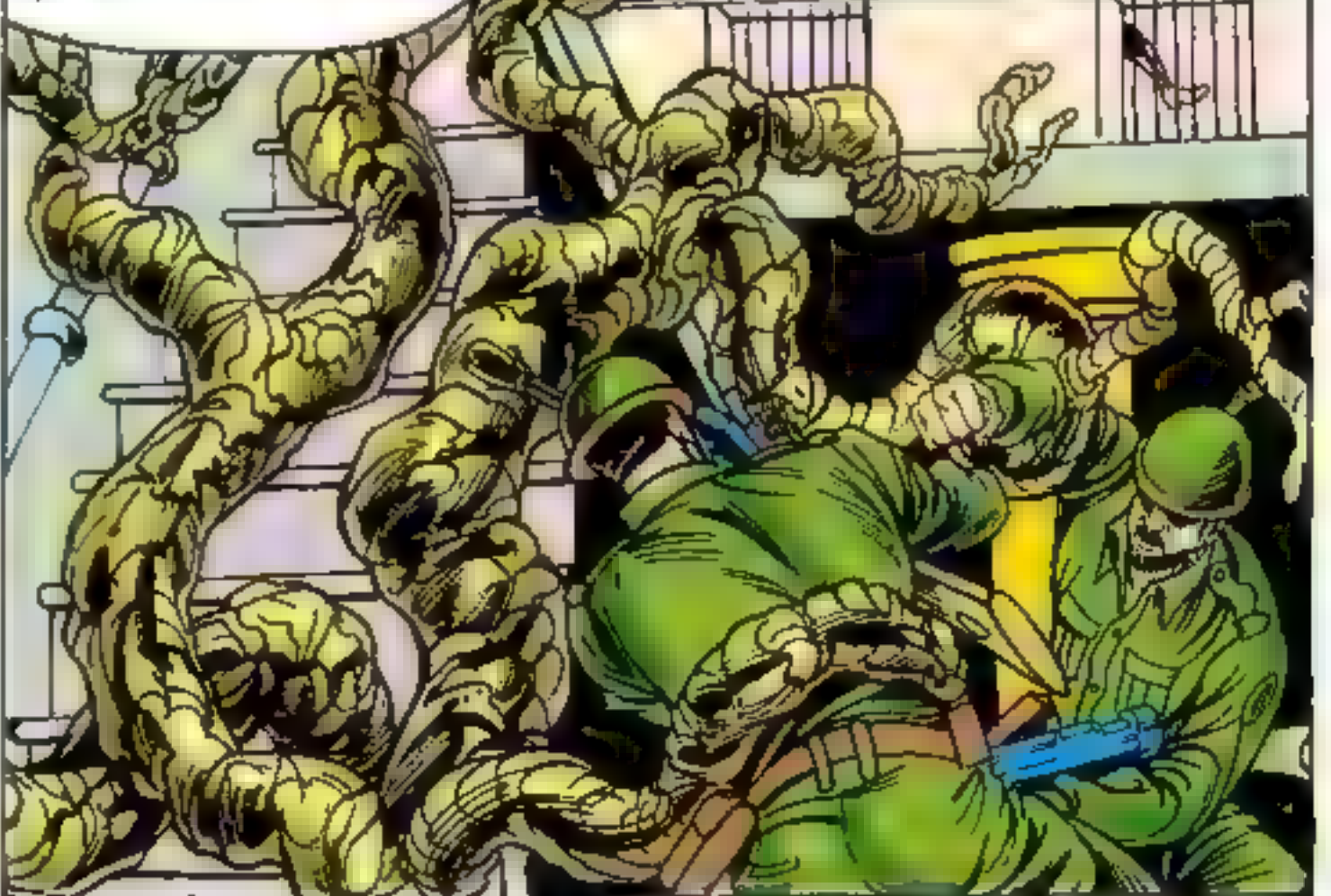
अब मुझे थोड़ा सा वक्त मिल गया है! इसका उपयोग सैनिकों का रास्ता रोकने के लिए किया जाए! जगह-जगह अचेत रसायन की शीशियां रख देती हूं! इनकी लहरें सैनिकों के ऊपर आने से रोके रखेंगी!
श्यामली सैनिकों से टक्कर ले रही थी-

और ध्रुव किसी खास चीज की तलाश में भटक रहा था-
इस तहखाने में कोई आता-जाता नहीं है! यानी मुझे जिसकी तलाश है, वह मुझे यहीं पर मिलेगा!
तुम शायद मुझे ढूंढ रहे हो ध्रुव!
वेलकम!
जनरल अशरफ! और तुम मुझे जानते भी हो! जनरल अशरफ, ध्रुव का नाम तो जान सकता है, पर शक्ल नहीं पहचान सकता! यानी मुझे सही सूचना मिली है!
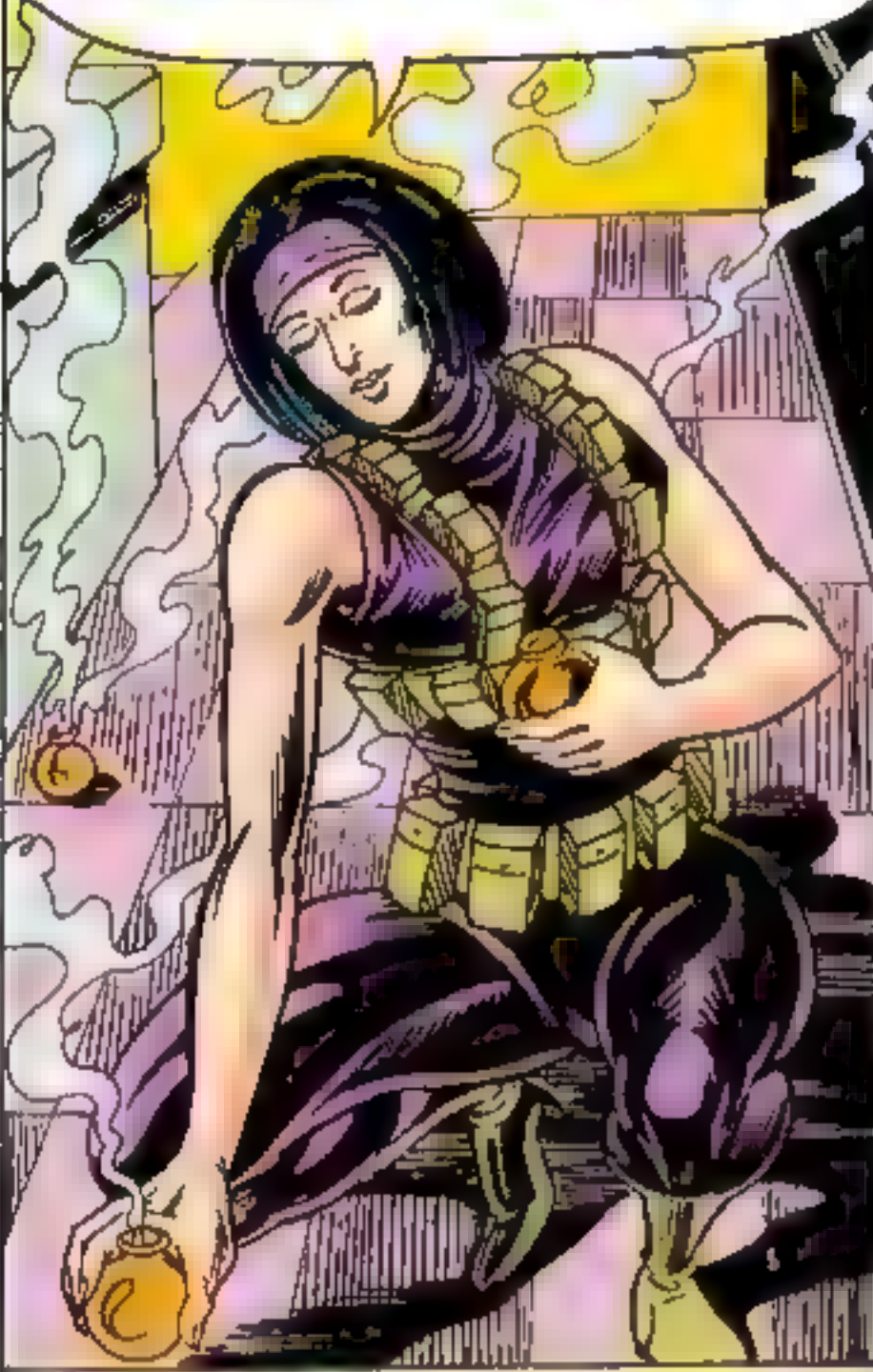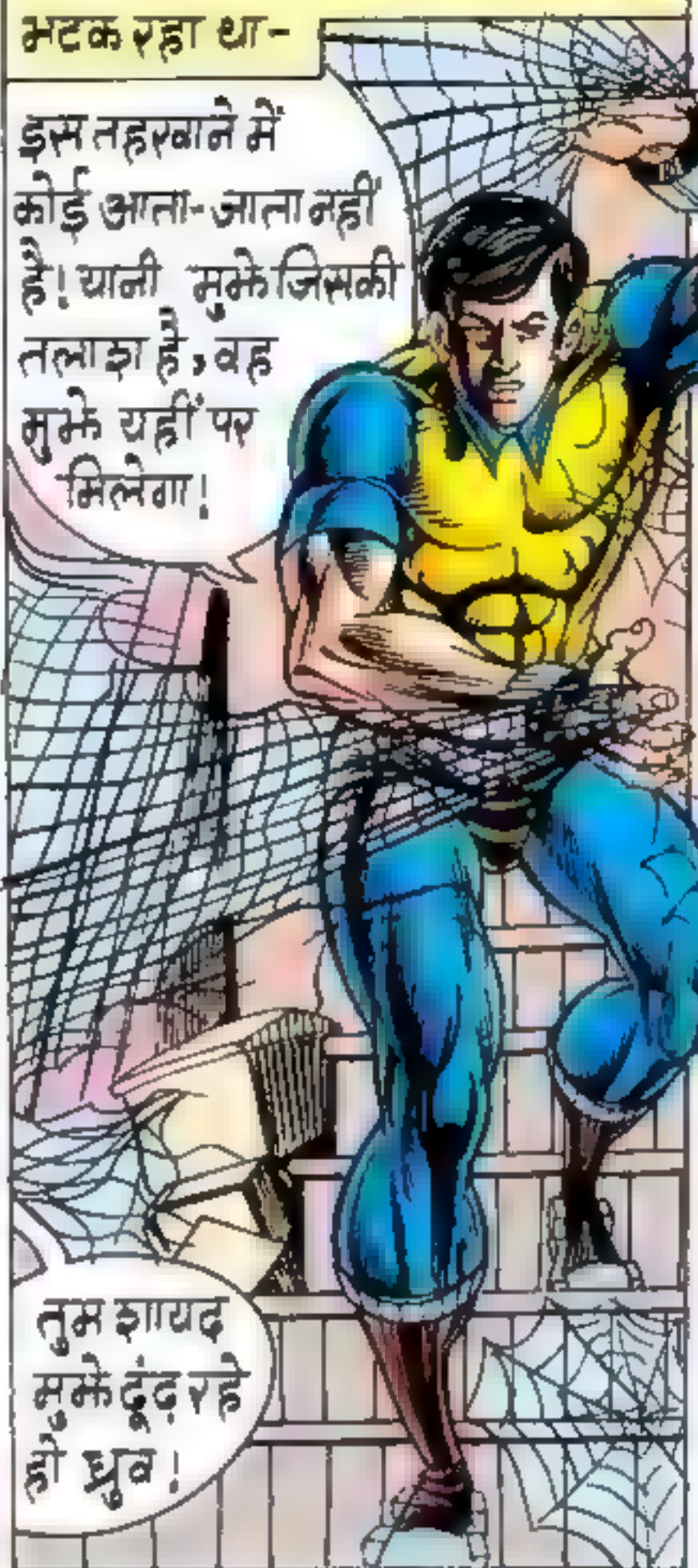
... कि असली जनरल अशरफ यहीं पर कहीं कैद है! तुम जनरल अशरफ नहीं हो! कौन हो तुम?
ओह! यानी किसी ने गद्दारी की है! शायद शैतान देव ने! लेकिन उससे कोई फर्क नहीं पड़ता! ...
क्योंकि मैं तुम्हें जुबान खोलने लायक छोड़ूंगा ही नहीं!

ले देख मुझे! मैं चुंबा का सेवक हूं! स्प्रिंगर! मैंने और चुंबा ने ही शैतान देव की मदद से जनरल को बन्दी बनाया, और फिर खुद जनरल बन गया! और जनरल इस घर में कहां पर कैद है, इसका पता मेरे और चुंबा के अलावा किसी को भी नहीं है!
उसको हमने सिर्फ इसलिए जिन्दा रखा है कि अगर हमारी योजना नाकाम हो जाए तो हम उसको सेना और यहां की जनता के हवाले करके खुद फूट लें!
अब ऐसा नहीं होगा! असली जनरल भी आजाद होंगे, और तुम लोग फूट भी नहीं पाओगे!

मैं गोलियों तक को छका सकता हूं! तेरे स्प्रिंग लगे हथियार तो रफ्तार में गोलियों से बहुत धीमे हैं!

सच कहा! ये गोलियां नहीं हैं, जो एक बार गुजरकर वापस नहीं आतीं! ये तुझ पर स्प्रिंग द्वारा उछल- उछलकर तब तक वार करते रहेंगे जब तक तू कट नहीं जाता!

तू सच कह रहा है। तेरे हथियार सचमुच ज्यादा खतर-नाक हैं। तब तो हथियार फेंकने वाले को ही काबू में करना पड़ेगा!

मेरा कवच ठोस लोहे का है ध्रुव! तेरे वार मुझ पर उतना ही असर करेंगे, जितना टैंक पर कंकड़ों का असर होता है!

आऽऽऽह!
इन खतरनाक हथियारों से निपटने का और स्प्रिंगर को बेहोश करने का सिर्फ एक ही रास्ता है!
इन हथियारों को पकड़-पकड़कर स्प्रिंगों को इनसे अलग करना होगा!
स्प्रिंगों को अलग करने का कोई फायदा नहीं होगा ध्रुव! मेरे पास ऐसे कई और हथियार हैं!
और अब वैसे भी सैनिक यहां पर आने ही वाले हैं!
उससे पहले ही मैं असली जनरल को ढूंढ़कर तुम्हारा खेल खत्म कर दूंगा!
मैंने कई स्प्रिंगों को हथियारों से अलग करके आपस में जोड़ लिया है! अब इस बड़ी स्प्रिंग के दोनों सिरों को दरवाजे में अटकाकर...
...मुझे स्प्रिंगर के पीछे पहुंच जाना है!
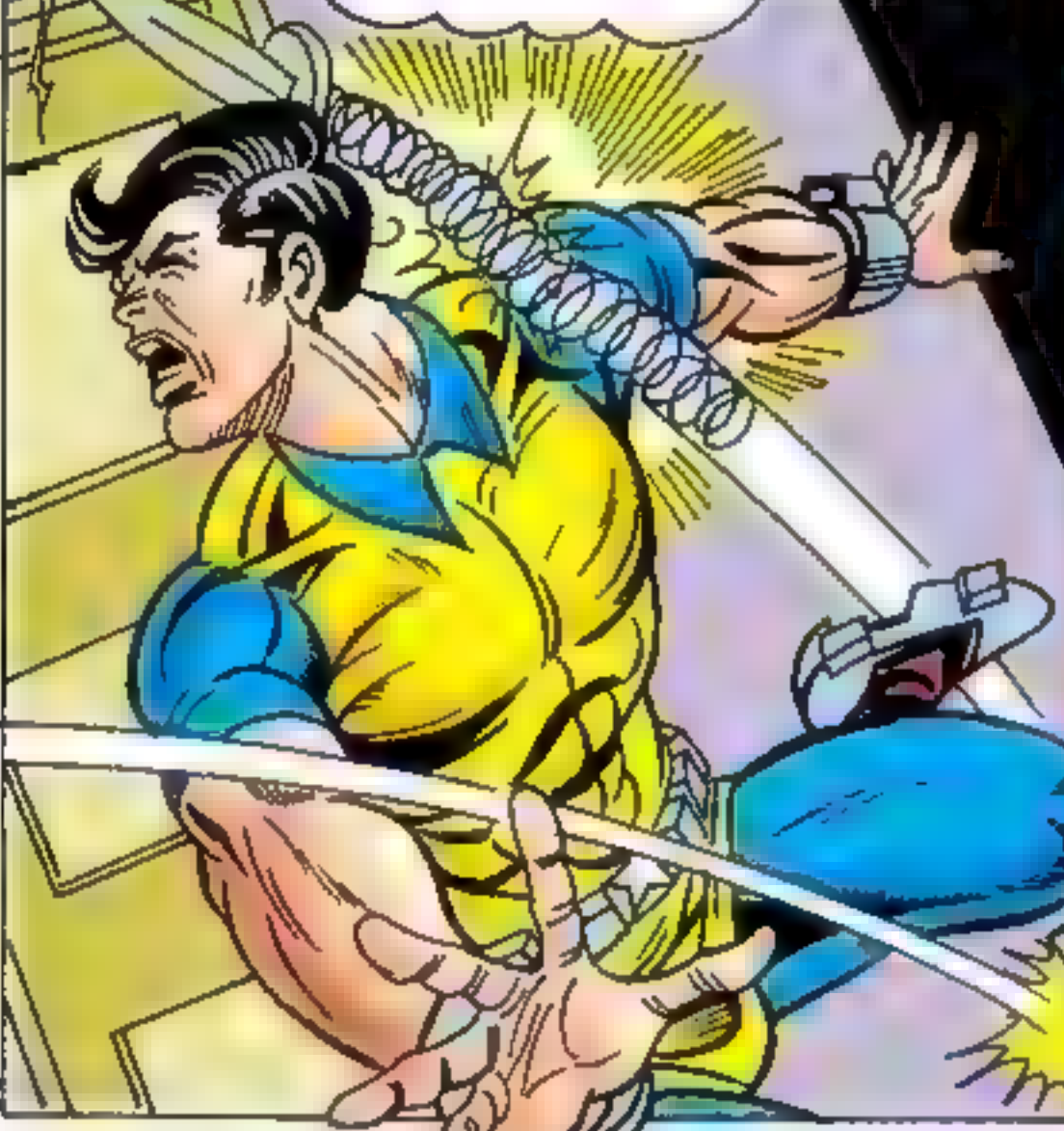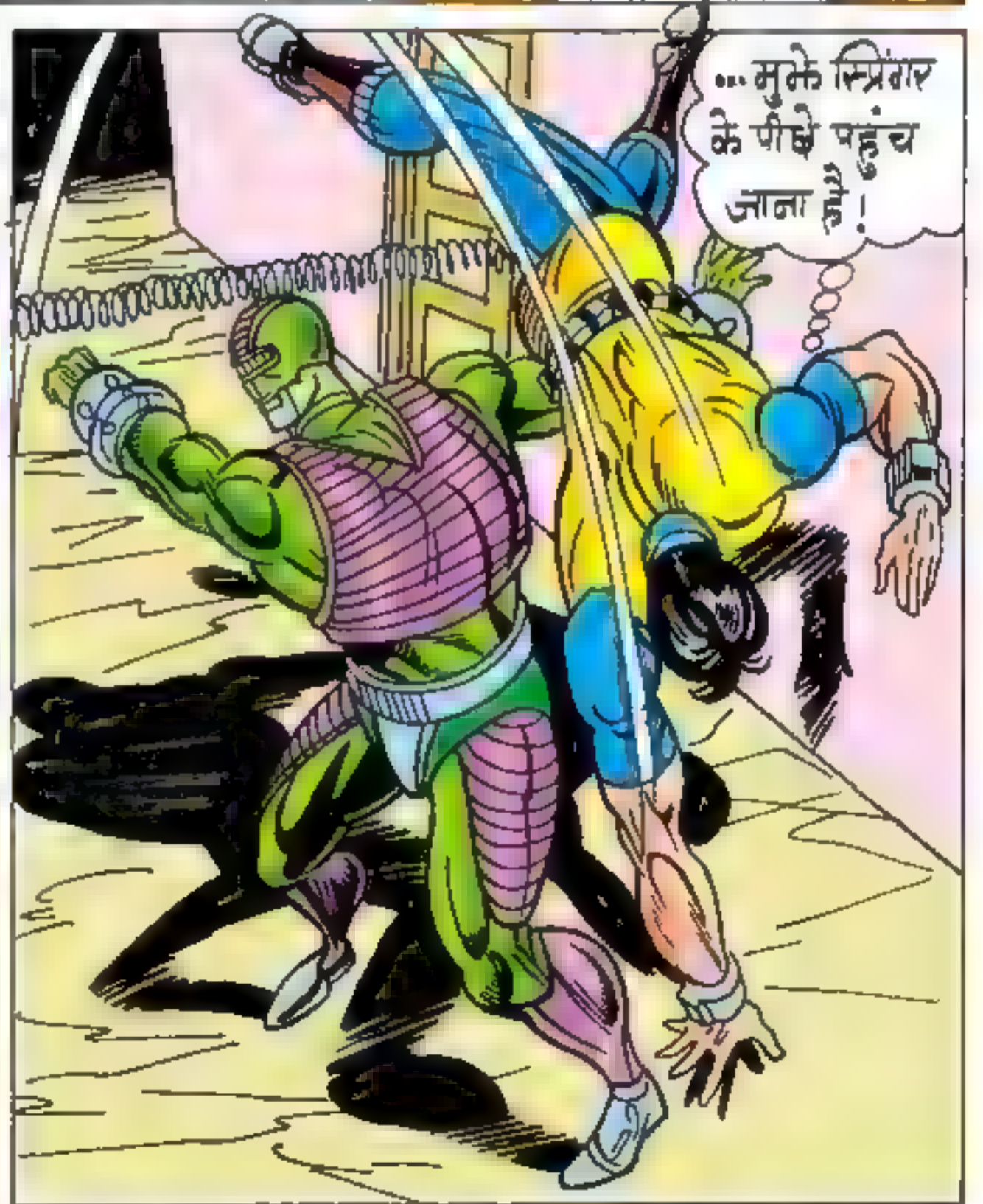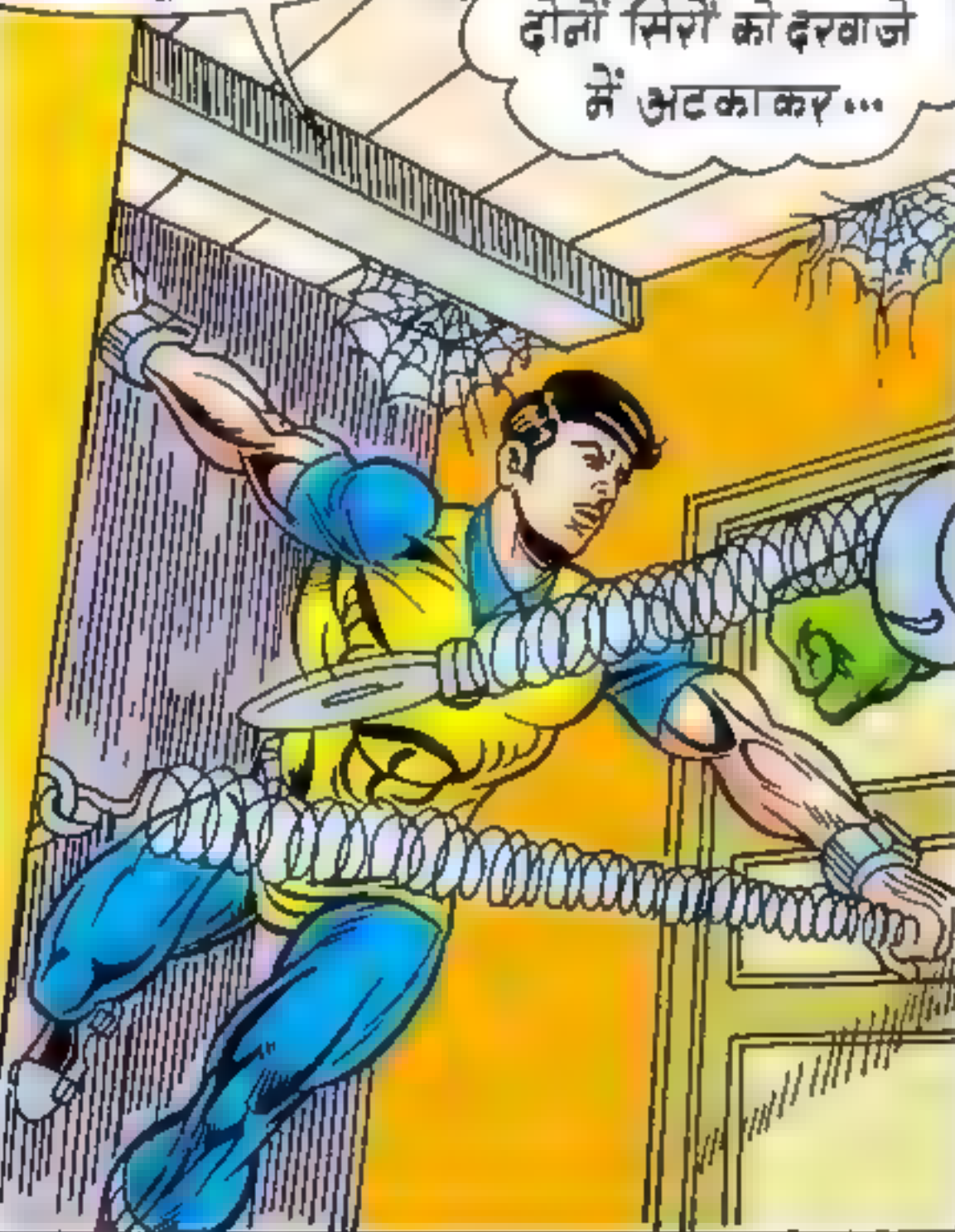
और स्प्रिंगर के संभलने से पहले ध्रुव उसको पीछे धकेलता चला गया-
स्प्रिंग भी बीच से खिंचती चली गई-
और जैसे ही स्प्रिंग पर पड़ रहा दबाव हटा-
घ्रऽऽऽ टंऽऽक
स्प्रिंगर, गुलेल में रखे कंकड़ की तरह उछलकर दीवार से जा टकराया-
तेरे लोहे के कवच पर असर डालने के लिए तेज 'फोर्स' की जरूरत थी, जो तेरी ही स्प्रिंगों से मिल सकती थी!
आऽऽऽह! मुझे घायल करके अपने आपको जीता हुआ मत समझ, ध्रुव! सुन कदमों की आवाज! सैनिक इधर ही आ रहे हैं!
तू भी नहीं बचेगा!
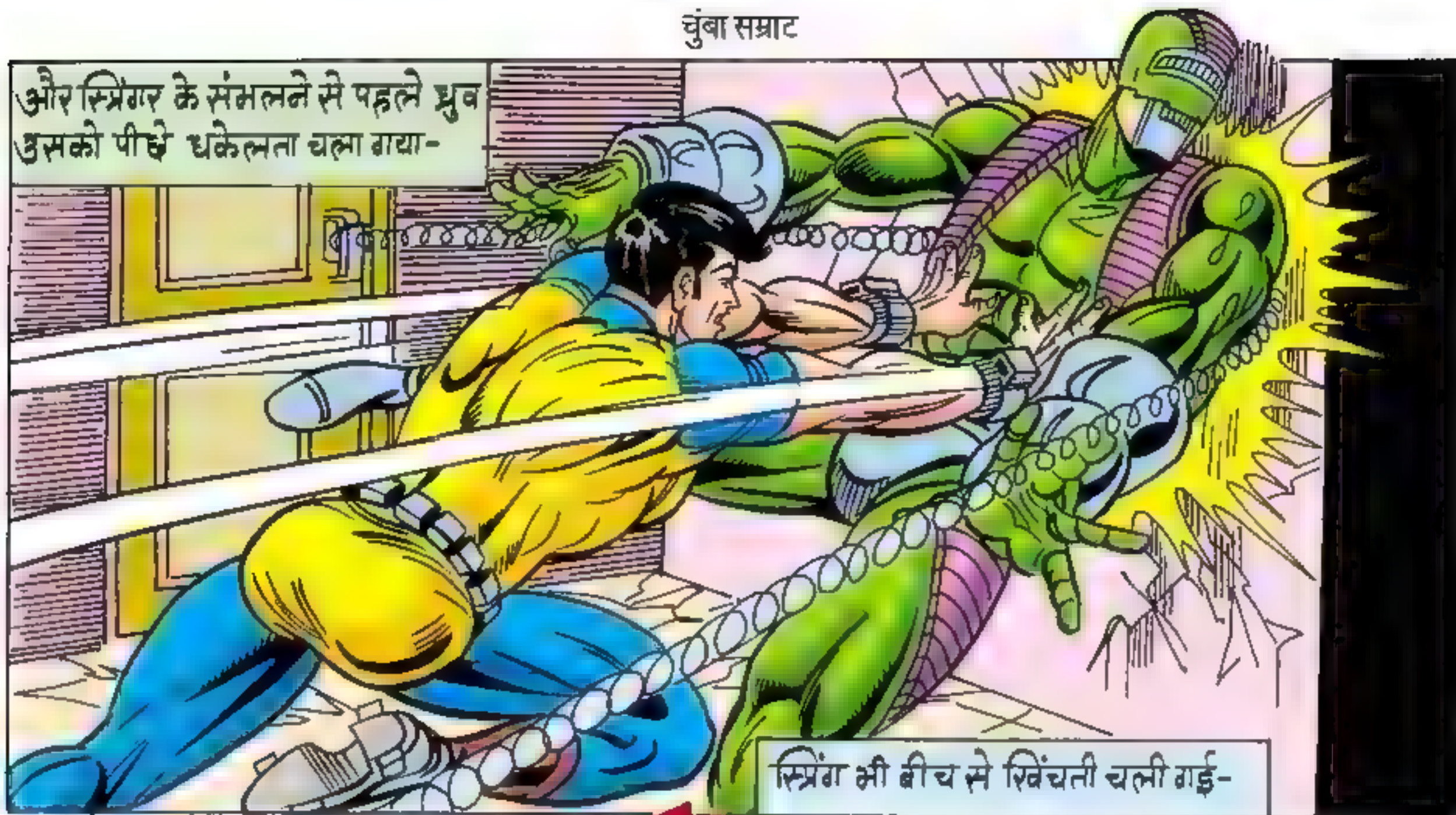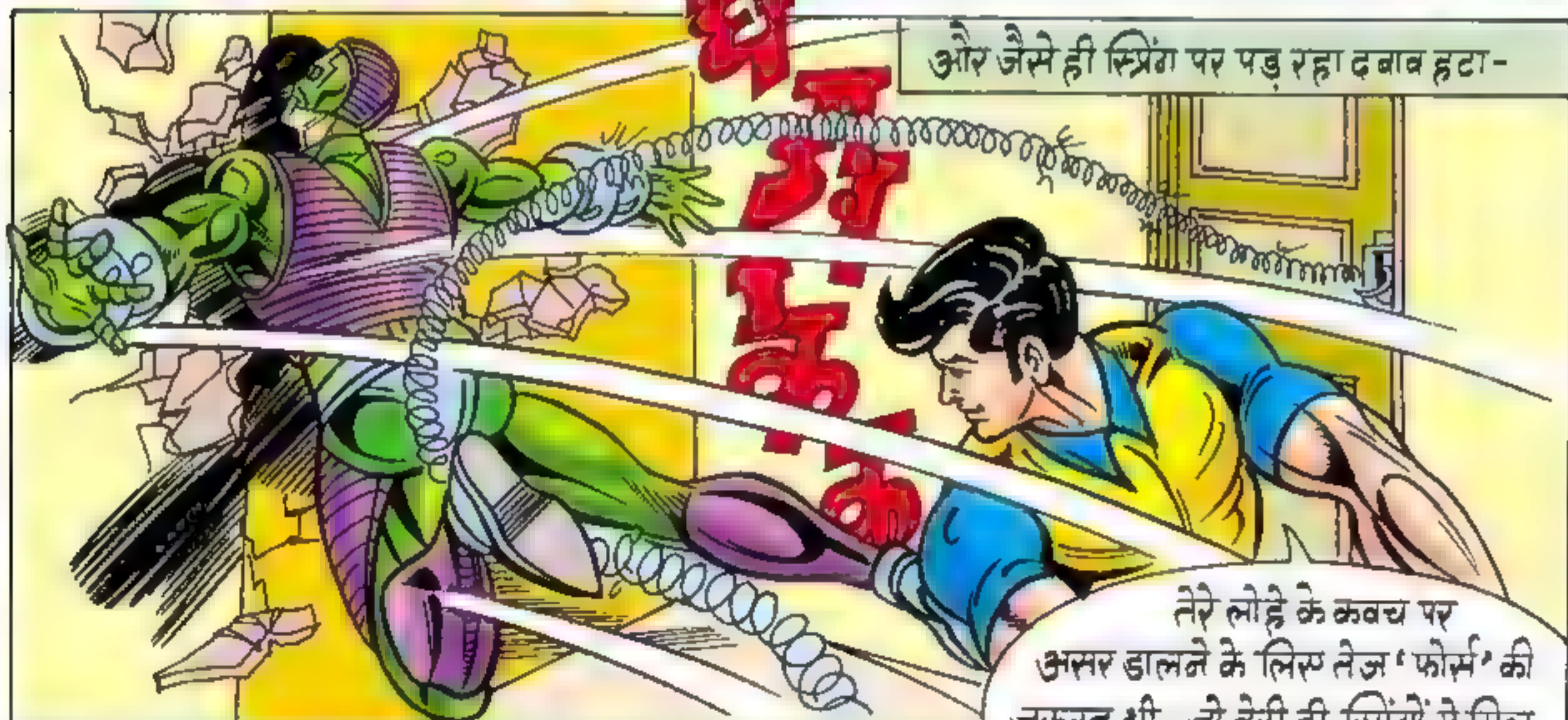
हाथ ऊपर करो! वरना छेद डाले जाओगे!
सुनो, तुम लोग गलती कर रहे हो! तुम्हारे असली जनरल इसी घर में कहीं कैद हैं। तुम इस नकली जनरल का आदेश मान रहे हो!
कैसा नकली जनरल? कहां है नकली जनरल?
ये देखो! अरे! कहां गया?
स्प्रिंगर मौके का फायदा उठाकर, जनरल के कपड़े लेकर भाग गया है!
अब जनरल को ढूंढने का एक ही रास्ता बचता है!
और-
हिन हिन
शाबाश दोस्त! जाओ अपने मालिक को ढूंढो! वे यहीं कहीं कैद हैं! अपनी सूंघने की शक्ति का प्रयोग करो!
तब तक मैं सैनिकों को यहीं रोकता हूं!

श्यामली को कबूतर एकदम सही जगह पर ले आया था-
आहा! प्रधानमंत्री इस कमरे में कैद हैं! जब तक ये दोनों पहरेदार मेरी 'लॉफिंग गैस' सूंघकर हंसते रहेंगे, तब तक मेरा अम्ल-गल इस ताले को गला देगा!
हा हा ही ही ही ही हो हो हो ह ह हा
प्रधानमंत्री जी! जल्दी चलिए! आपकी जान खतरे में है!
मेरी जान?
मेरी नहीं, बल्कि तुम्हारी जान खतरे में है। मैं प्रधानमंत्री का डुप्लिकेट हूं। असली प्रधानमंत्री तो अल्मारी के अन्दर कैद हैं!
अब पलक भी झपकाई तो भेजा उड़ा दूंगा!
श्यामली, दुश्मन के जाल में फंस चुकी थी-
और ध्रुव, फंसने वाला था-
खत्म कर दो! ये हिन्दुस्तानी है!
हमारे इरादों पर पानी फेरने आया है!
ओह! स्प्रिंगर फिर से जनरल का मेकअप करके वापस आ गया है!
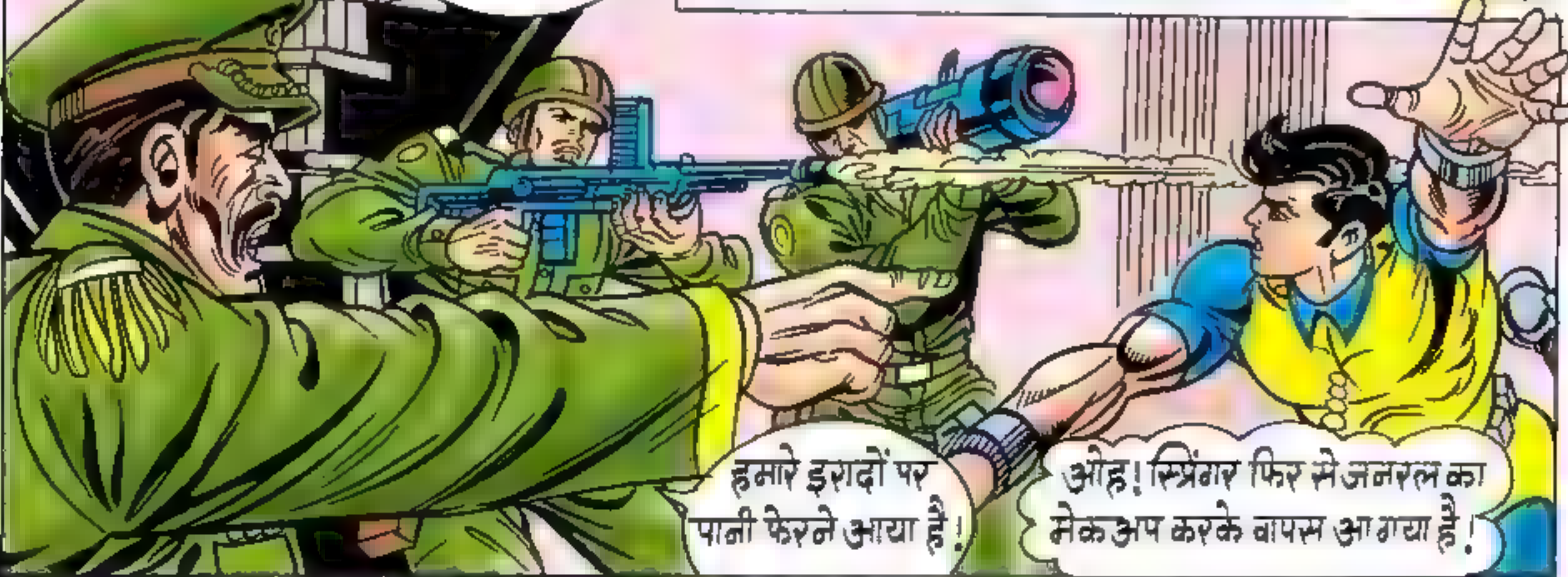
अब तो सैनिकों को समझा पाना असंभव है। इनके हाथों से हथियार गिराने होंगे। और वह भी जल्दी! लेकिन कैसे? ये तो ताबड़तोड़ गोलीबारी करके मुझे बेल्ट से कोई भी चीज निकालने का वक्त तक नहीं दे रहे हैं!
आहा! स्प्रिंगर के कुछ हथियार अभी भी यहां पड़े हुए हैं। स्प्रिंग सहित!
ये सैनिकों का ध्यान बंटाएंगी!
ओए! संभल-कर!
तू अपने पीछे देख!
तड़ाक
तुम सब रुक जाओ! मैं इसको रॉकेट लांचर से खत्म करता हूं!
बता, इस रॉकेट लांचर से तू उछलकर बच पाएगा, या नहीं?
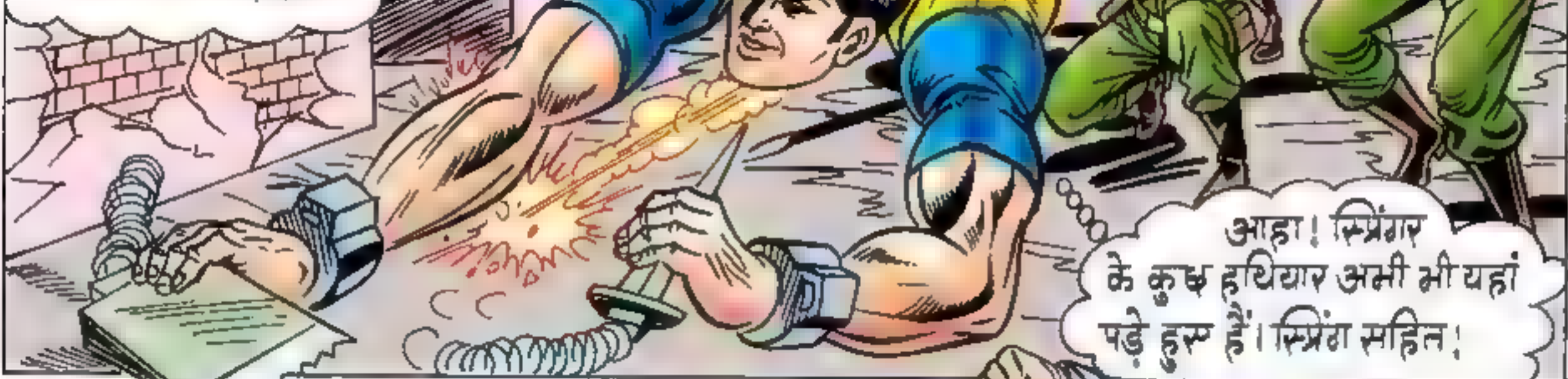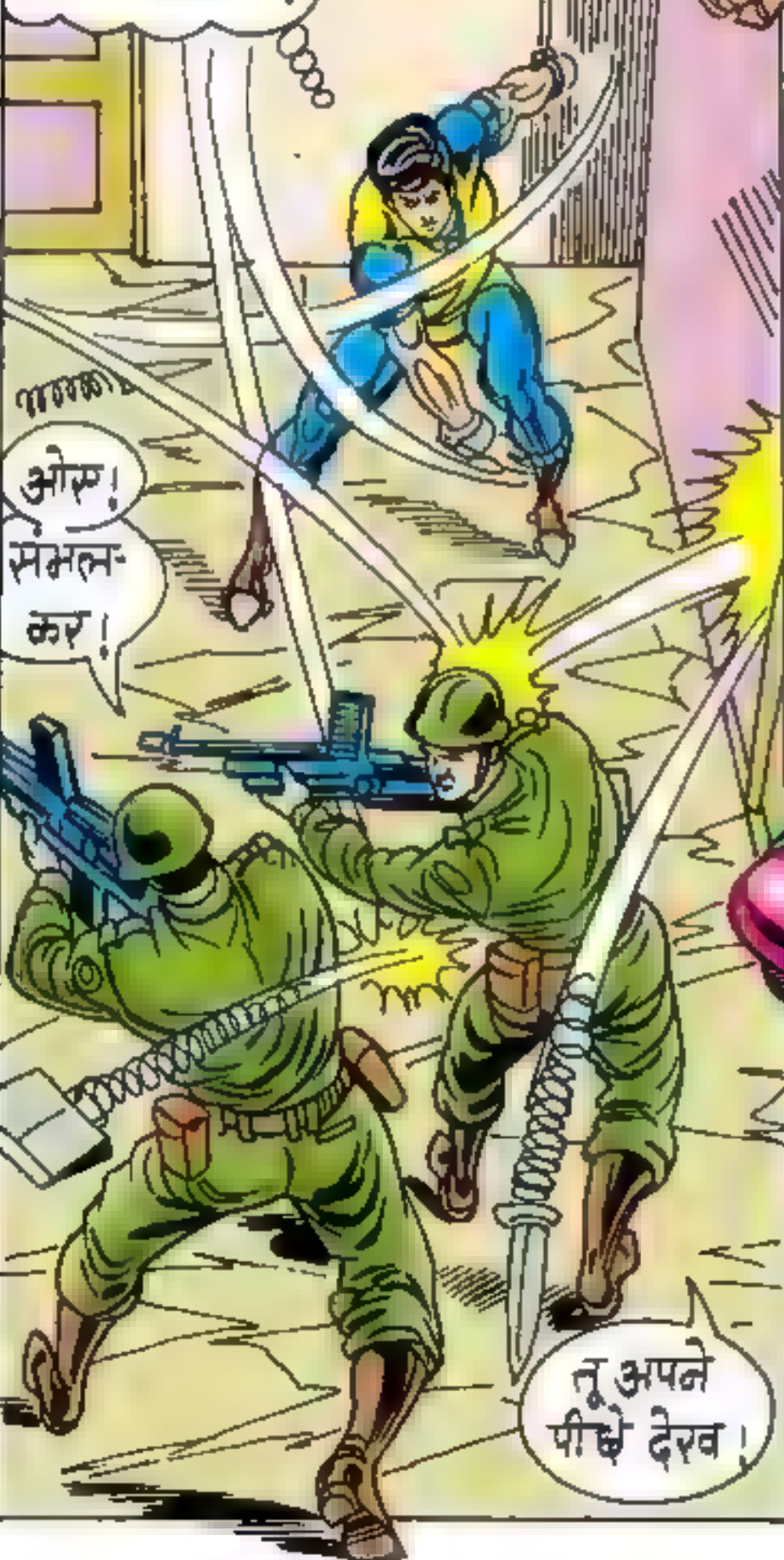
अरे! घोड़े पर भी जनरल अशरफ हैं!

दो-दो जनरल!

दो नहीं, सिर्फ एक! मैं! ये नकली जनरल है!

इसने मुझे कई दिनों से यहां बन्दी बनाकर रखा था!

अगर मेरा घोड़ा शमशीर मुझे न छुड़ाता तो देश बर्बाद हो जाता! लेकिन इसको पता कैसे लगा कि मैं यहां कैद हूं?

ये पहले से ही जानता था! इसने मुझे बताया, और मैं आपको छुड़ाने यहां पर आ गया! लेकिन ऐन वक्त पर सैनिकों ने मुझे घेर लिया! और मुझे फिर शमशीर को ही आपकी तलाश में भेजना पड़ा!

तुम... तुम तो बोली से हिन्दुस्तानी लगते हो!

और तुम घोड़ों से बात भी कर सकते हो! कमाल है! कौन हो तुम?

बधाई हो चुंबा! तुम अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में सफल रहे! असली जनरल को ढूंढ़ लिया गया है! सैनिकों को सच्चाई पता चल गई है! और अब सैन्य टुकड़ियां भी इसी तरफ आ रही हैं!
कैसे? कैसे हुआ यह सब? जरूर तुमने मुझसे बदला लेने के लिए ऐसा किया है!
मैं भला ऐसा क्यों करता? पापियों को मैं कभी नुकसान नहीं पहुंचाता! तुम जैसे पापी खुद अपना नुकसान कर लेते हैं!
ध्रुव को जिन्दा छोड़कर!
ध्रुव! यह सब ध्रुव का किया-धरा है! यानी वह मेरे हाथों मरने के लिए पास्तान आ पहुंचा है!
गीदड़ की मौत उसे शहर तक खींच लाई है! लेकिन अब वह मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता!
चुंबा के पास इस वक्त न्यूक्लियर मिसाइल दागने वाली चाबियां हैं। मैं दुनिया को तबाह कर दूंगा! और इस घर के अंदर तो कोई घुस ही नहीं सकता! क्योंकि इस घर के चारों तरफ 'सर्व विलयक' की दीवार खड़ी है!...
...तू देखता जा शैतान! चुंबा बगैर तेरी सलाह के कैसे दुनिया पर राज करता है!

लेकिन हम अंदर कैसे जाएं? कोई तो रास्ता होगा!

टैंक में बैठकर चले जाओ ध्रुव! जब तक टैंक गलेगा, तुम अंदर पहुंच चुके होगे!

टैंक के पहिए भी गलेंगे और टैंक बीच रास्ते में ही रुक जाएगा! फिर मरने के अलावा और कोई रास्ता नहीं होगा!

यस! स्प्रिंगर का लौह-कवच! उसे मंगाइए, जनरल!

लेकिन उसमें तो सिर्फ एक ही आदमी जा सकता है ध्रुव! मैं कैसे जाऊंगी?

पास में ही म्यूज़ियम है! उसमें प्राचीन काल का एक 'जिरह बख्तर' पड़ा हुआ है! शायद उससे तुम्हारा काम चल जाए!

और फिर-

कूद पड़ो 'सर्व विलयक' की धुंध में श्यामली! और भगवान से प्रार्थना करो कि यह घातक धुंध हमारे कवच को जल्दी न गलाए!
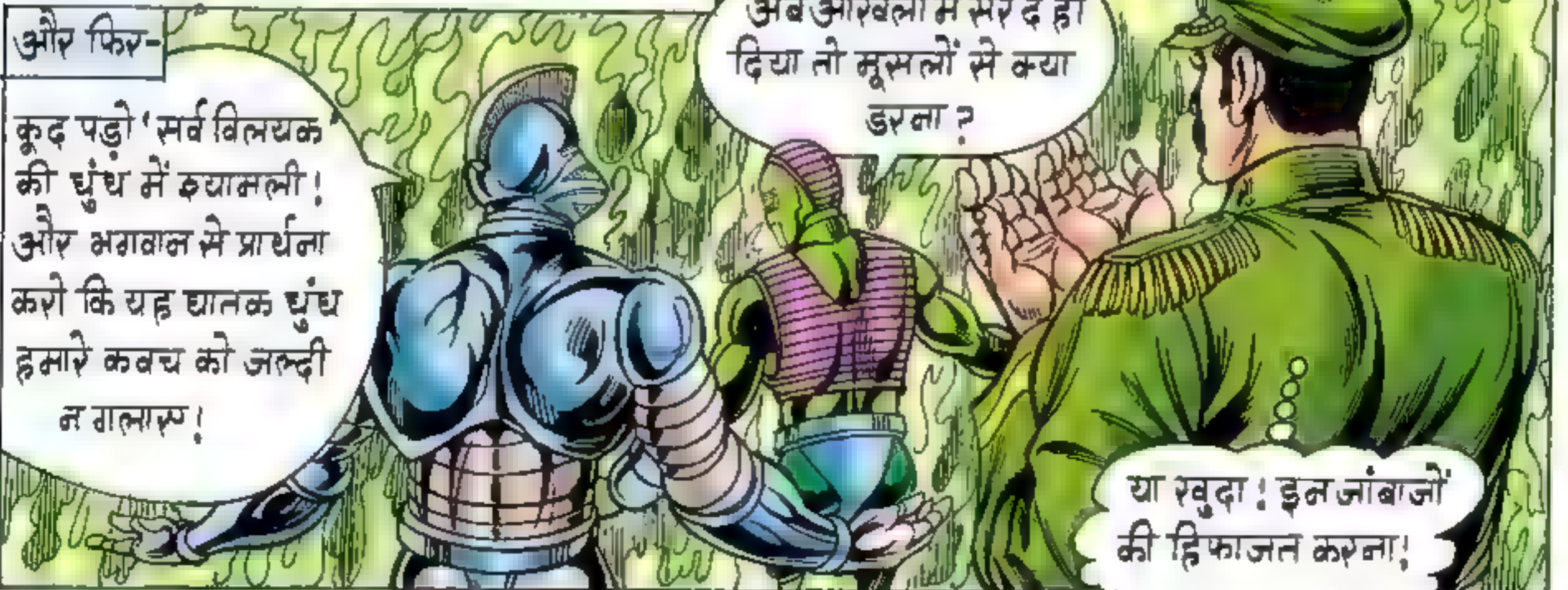
अब ओखली में सर दे ही दिया तो मूसलों से क्या डरना?

या खुदा! इन जांबाजों की हिफाजत करना!

चुंबा की तैयारियां भी लगभग पूरी हो चुकी थीं-
दुनिया का हर महत्त्वपूर्ण शहर, अब उन न्यूक्लियर मिसाइलों का निशाना बन चुका है जो इन चाबियों को घुमाते ही तबाही फैलाने के लिए यहां से चल पड़ेंगी !
अब मुझे उस दूसरे कक्ष में जाना होगा, जहां पर इन चाबियों को लगाने वाला कंट्रोल है !
उस कमरे तक तू नहीं पहुंच पाएगा चुंबा ! दुनिया के विनाश और तेरे बीच में खड़ा है...
ध्रुव !
तू... तू अंदर तक कैसे आ गया ? शायद तेरी मौत यहां पर लिखी है ! इस कमरे में !
इस पूरे घर को मैंने अपनी चुंबकीय प्रयोगशाला में बदल दिया है ! अब देख, चुंबकीय शक्ति का नया कमाल !
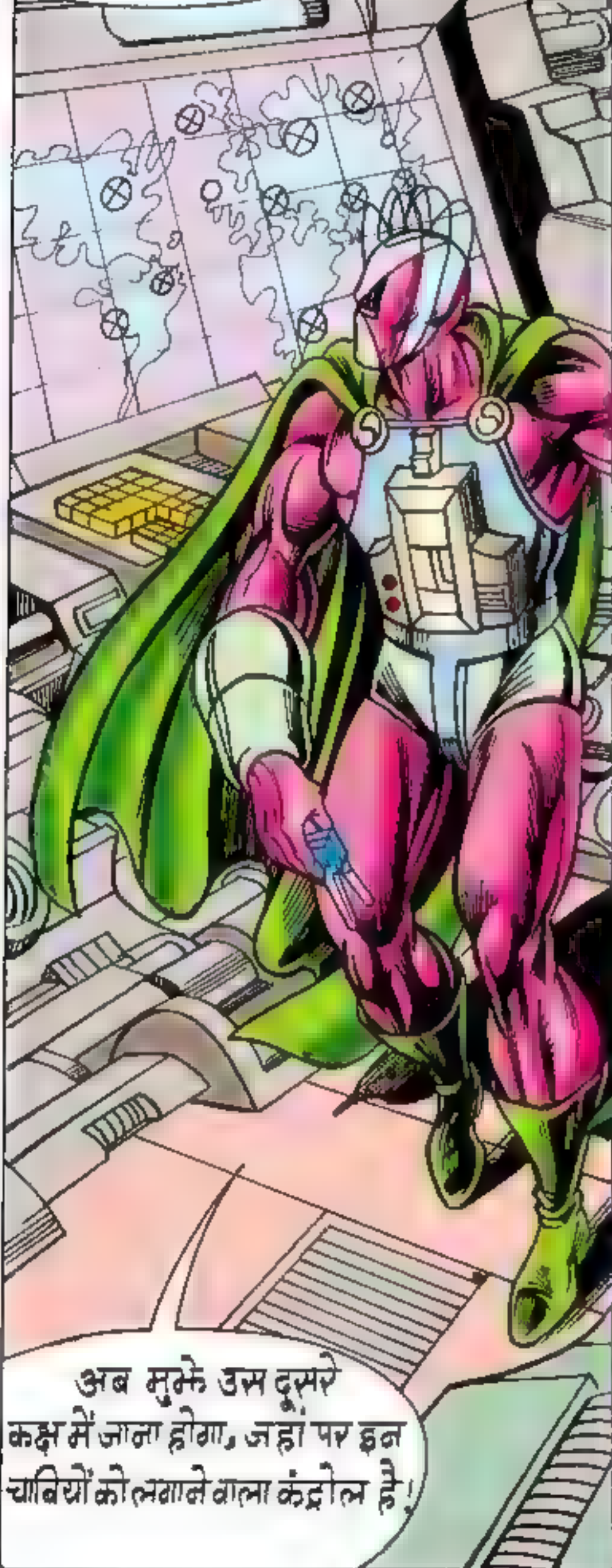
अब इस कमरे में फैल रही चुंबकीय तरंगें, तुम दोनों के दिमाग के उस हिस्से पर हमला करेंगी, जिसमें इंसान के अंजाने डर छुपे होते हैं। तरह-तरह की आकृतियां तुमको डराएंगी! तुम कुछ भी नहीं सोच पाओगे! ...
... और इसी बीच 'सर्व-विलयक' से भरे चुंबकीय गोले तुमको गलाकर हवा बना देंगे!
अब मैं तो चला मिसाइलों को दागने!
ध्रुव! अजीब-अजीब सी आकृतियां नजर आ रही हैं! मुझे बहुत डर लग रहा है!
म... मुझे भी नजर आ रही है! लेकिन डरो मत, श्यामली! डरो मत! संभाले रखो अपने आपको! हमको चुंबा को रोकना है। सर्व विलयक की काट को ढूंढ़ना है!

सर्व विलयक की काट! मज़ाक करना छोड़ो ध्रुव! मैं तो बड़ी मुश्किल से अपने आपको बेहोश होने से बचाए हुए हूं!
आऽऽऽह! मैं भी कुछ सोच नहीं पा रहा हूं!
और अब चुंबकीय गोले फट रहे हैं!
सर्व विलयक कमरे में फैल रहा है! ओफ! क्या करूं? सर्व विलयक का फार्मूला कैसे हासिल करूं? ऐसी कोई चीज है, जिसे मैं नजर अंदाज कर रहा हूं! कुछ है! पर क्या है? क्या है? सोचो ध्रुव, सोचो? हां यस! याद आ गया!
चुटट
इस कमरे में कंप्यूटर प्रिंटर वगैरह सभी कुछ है! इंटरनेट भी जरूर होगा! इंटरनेट पर करीम से संपर्क करता हूं!
मैं प्राचीन ग्रंथ को उसी के हवाले करके आया था!
Yahoo
ध्रुव की उंगलियां 'की-बोर्ड' पर दौड़ने लगीं! उसे कुछ याद आ गया था! पर क्या?

अब करीम के जवाब का इंतजार करने और सर्व विलयक से बचते रहने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है!
बचो श्यामली!
ध्रुव के साथ-साथ-
पूरी दुनिया भी एक खतरे में घिरी हुई थी-
ओह! बड़ी मेहनत के बाद दोनों चाबियां सही स्थान पर लग पाई हैं!
अब इस लाल बटन के दबते ही सारी मिसाइलें अपने-अपने निशानों की तरफ उड़ चलेंगी!
उससे पहले मैं तुझे हवा में उड़ा दूंगा, चुंबा!
अरे! असंभव! असंभव!
तू बच कैसे गया? तू न तो पागल हुआ, और न ही सर्व विलयक तुझे गला पाया!
कैसे?
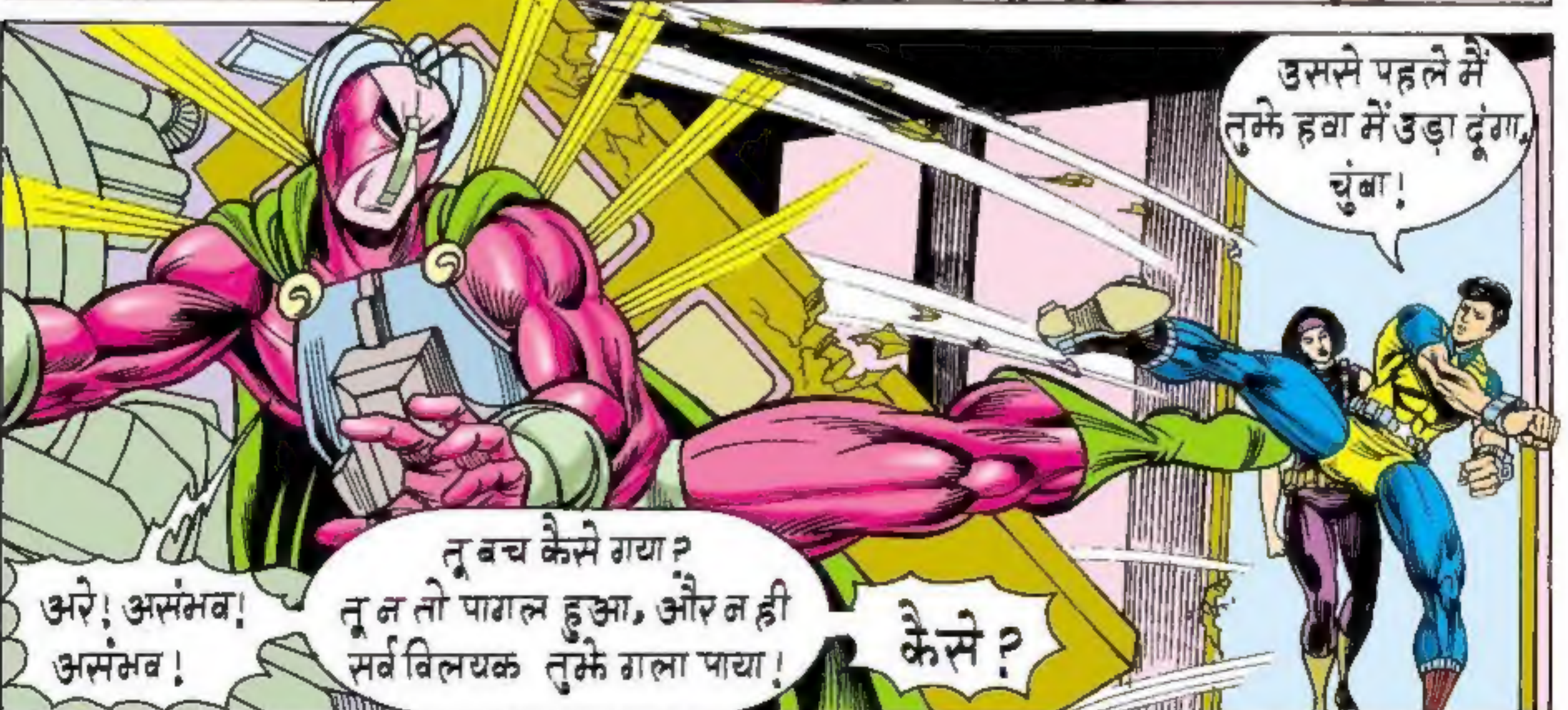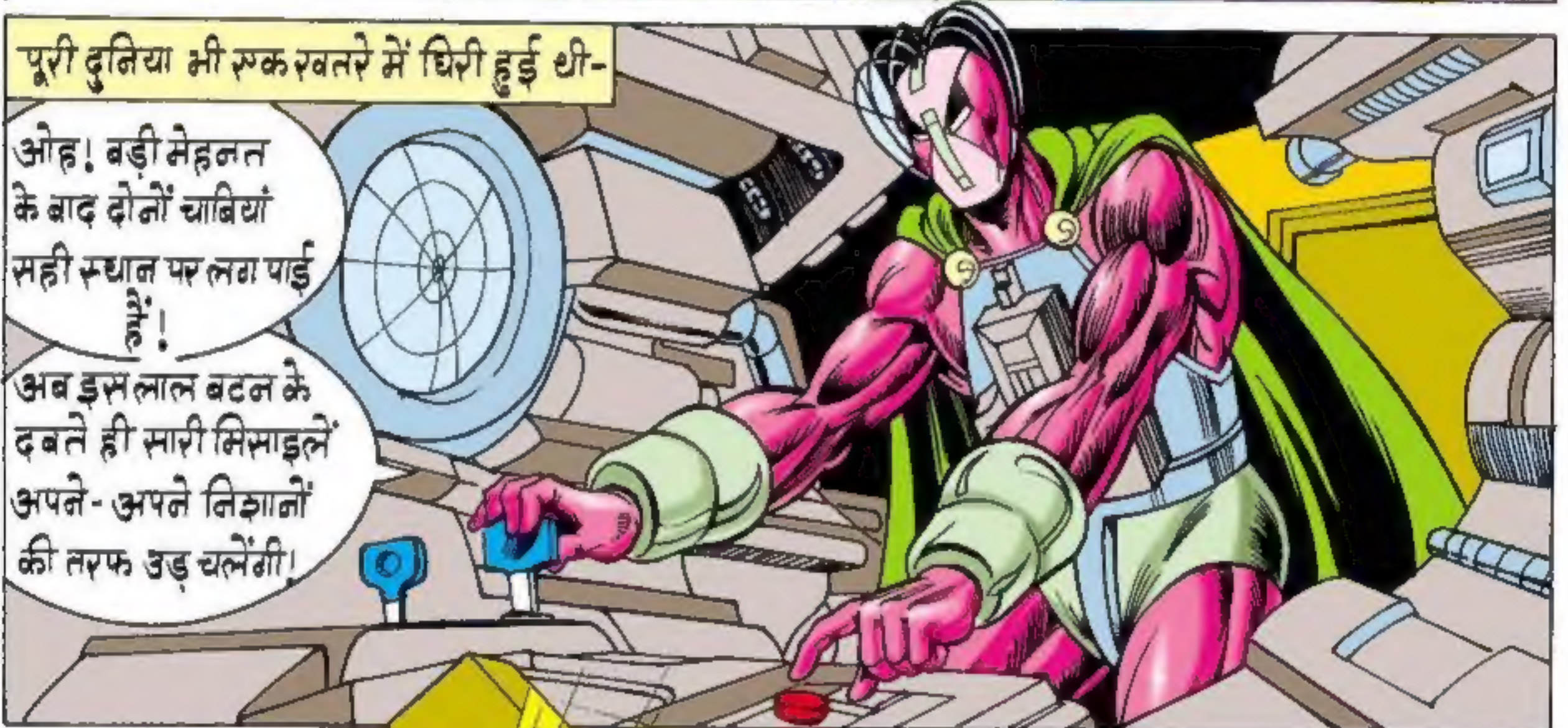
तेरी चुंबकीय तरंगें मेरा अंजाना डर भड़काकर मुझे पागल बनाना चाहती थीं! लेकिन ध्रुव के अंदर कोई अंजाना डर है ही नहीं! इसीलिए मैं अपने दिमाग को संतुलित रख पाया!

और रहा 'सर्वविलयक' तो उसकी काट श्यामली ने बना ली है! उसका फार्मूला तो हर समय हमारे पास था! बस हम उस तरफ ध्यान नहीं दे रहे थे!

वह ग्रंथ इतने दिनों तक बंद रखा रहा था कि उसकी कच्ची स्याही के हल्के निशान, पेजों के पीछे भी उभर आए थे। यह मैंने तब देखा था, जब अस्पताल में श्यामली ने मुझे टेप से जुड़ा हुआ कागज दिखाया था!
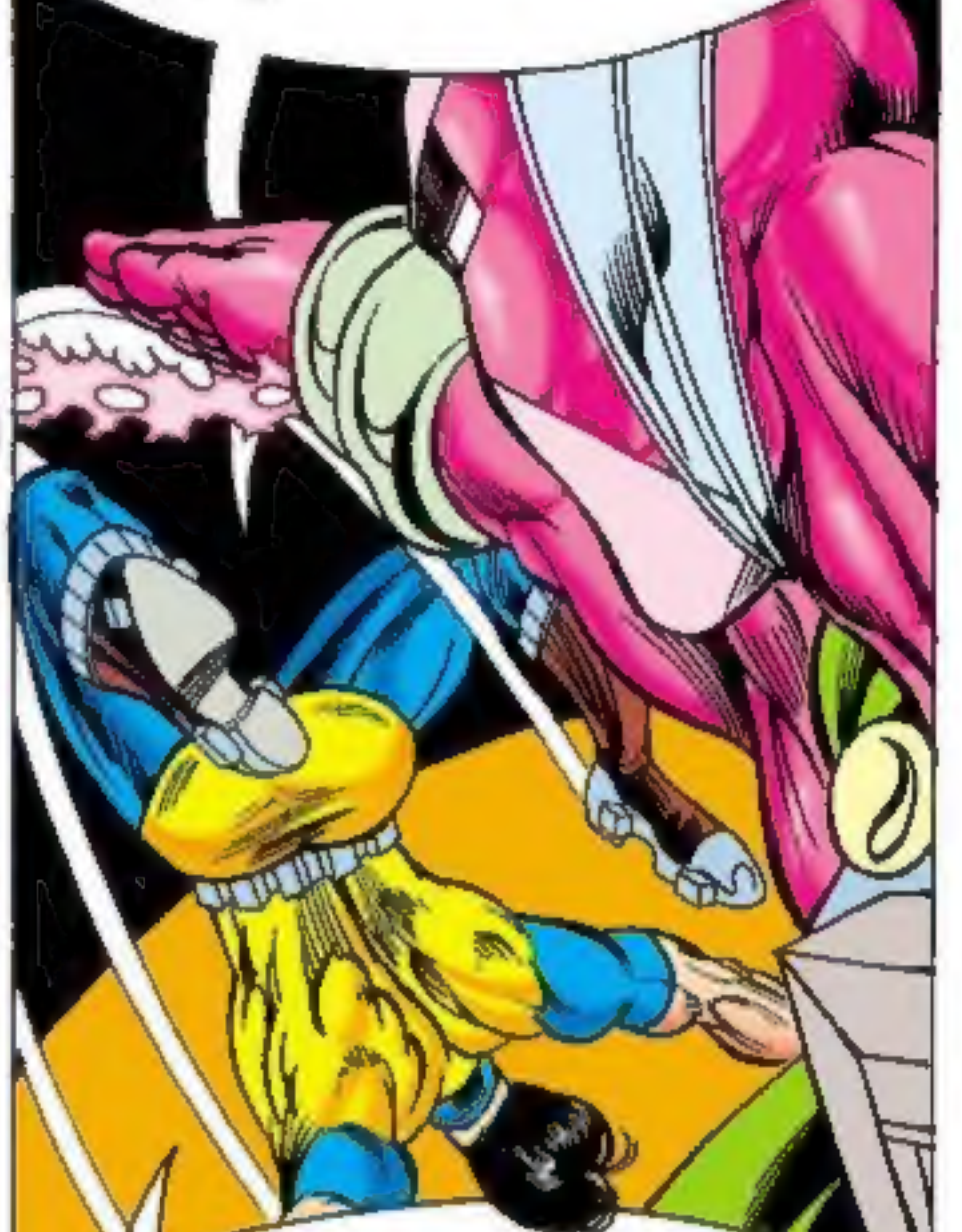
उस वक्त मैंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया था! लेकिन अभी यह बात ध्यान आते ही मैंने अपने कमांडो करीम से 'सर्व-विलयक' के पहले वाले पेजों के पिछले हिस्से की फोटो मंगवा ली!

उसको उल्टा करके पढ़ने से हमको सर्व विलयक बनाने का फार्मूला तो नहीं मिला, लेकिन सर्व विलयक की काट बनाने का फार्मूला जरूर मिल गया!

श्यामली के पास सारे जरूरी रसायन मौजूद थे! और उसने 'सर्व विलयक' की काट बनाने में ज्यादा देर नहीं लगाई!

आऽऽऽह! मेरे... मेरे मैगनेटिक कंट्रोल टूट गए!

तड़ाक

तुम्हारी सारी शक्तियां खत्म हो गई हैं चुंबा!

आत्मसमर्पण कर दो!

कभी नहीं!
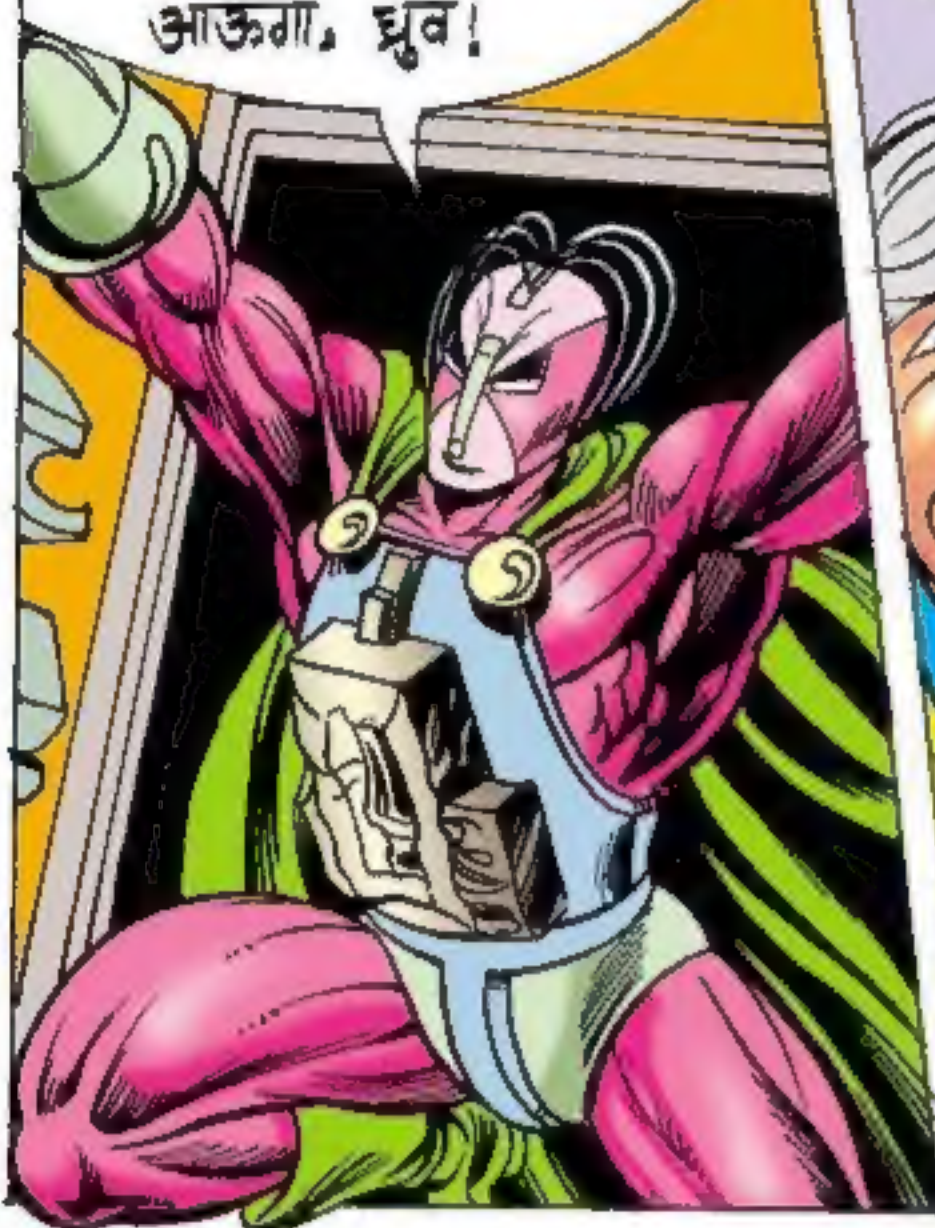
मुझे... मुझे कोई नहीं पकड़ सकता! मैं अपने शरीर को अभी भी चुंबकीय कणों में बदलकर यहां से भाग सकता हूं! ... मैं वापस आऊंगा, ध्रुव!
और सिकंदर की तरह दुनिया को जीतूंगा! मैं बनूंगा सिकंदर! मुकद्दर का सिकंदर! आई ssss ... ये क्या है? ये तो ध्रुव है!
मुझे पकड़ रहा है! मुझे मारेगा! जेल में डालेगा! चुंबा जेल नहीं जाएगा! तोड़ डालेगा जेल! दुनिया की सारी जेल! जेल खत्म, खेल खत्म!
इसको क्या हो गया है ध्रुव?
चुंबा का चुंबकीय कवच नष्ट हो गया है! और कोई कवच न होने के कारण यहां मौजूद चुंबकीय तरंगें उसके दिमाग में छिपे अंजाने डर को उभार रही हैं! चुंबा के दिल में छिपा मेरा डर!
चुंबा का दिमाग असंतुलित हो गया है। और इसके दिमाग में छुपा सर्व विलयक का फार्मूला भी हमेशा के लिए खो गया है!
अब पातालन भी सुरक्षित है, और दुनिया भी!
सुरक्षित नहीं है ध्रुव! सुरक्षित नहीं है! शैतान जल्दी ही एक दूसरा मोहरा ढूंढ लेगा! उसे देगा श्यामखंड!
और फिर से बरसेगा दुनिया पर तबाही का कहर!
समाप्त.